■ आश्विन शुक्ल - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 68 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 30-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' ही विकसित भारत की आधारशिला : आदित्यनाथ
6 भीड़, हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?
7 कृष्णा श्रॉफः जनता की छोरी और छोरियां चली गांव की धड़कन

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु में नर्स की हत्या के बाद पति ने फांसी लगाई

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु में एक नर्स की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या करने के बाद उल्लाल स्थित अपने घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे प्रकाश में आई। रात को पीड़िता के पिता पेरियास्वामी अपने रिश्तेदारों के साथ तुमकुरु से लौटे और उन्होंने सरकारी प्रेस लेआउट स्थित अपने घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया था। घर के मालिक से अतिरिक्त चाबी प्राप्त करने के बाद वे अंदर गए जहां उनकी बेटी मंजू (27) और उसके पति धर्मसीलन (29) के शव एक ही कमरे में थे। पेरियास्वामी ने मंजू का गला रेतकर हत्या करने के मामले में शिकायत दर्ज करवाई। मंजू का गला रेता हुआ शव वहां मिला था जबकि धर्मसीलन पंखे से फंदे पर लटका हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मसीलन ने मंजू की हत्या करने के बाद आत्महत्या की होगी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

वियतनाम में चक्रवात 'बुआलोई' का कहर

हनोई/एपी। चक्रवात 'बुआलोई' से हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मध्य वियतनाम में सड़कें जलमग्न हो गईं, छतें उड़ गईं और कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गयी। बाद में यह चक्रवात कमजोर होकर तूफान के रूप में सोमवार को लाओस की ओर बढ़ गया। चक्रवात से भारी तबाही हुई, जिसने मकानों, स्कूलों और बिजली के खंभों को क्षतिग्रस्त कर दिया, कई अस्थायी पुल बह गए और कई प्रान्तों में सड़कें एवं निचले जलमार्ग डूब गए। शहरों में बाढ़ के कारण वाहन पानी में डूब गए और ऊंचाई वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के समुदाय का शेष स्थानों से संपर्क कट गया। खबर के अनुसार थान्ह होआ प्रांत में एक स्थानीय अधिकारी जब चक्रवात से बचाव की तैयारी के कामों को पूरा करने के बाद रात में लौट रहा था तो उसके ऊपर पेड़ गिरने से उसकी मौत हो गयी। ह्यू शहर में एक व्यक्ति बाढ़ के पानी में बह गया। एक अन्य मौत दानांग में हुई।

सूर्यास्त 29-09-2025	सूर्योदय 30-09-2025
6:10 बजे	6:09 बजे

BSE	NSE
80,364.94	24,634.90
(-61.52)	(-19.80)

सोना	चांदी
11,890 रु.	146,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भिखमंगा नकवी

अभिषेक किया शर्मा ने तो,
वर्मा ने तिलक किया चंगा।
सूर्या के तेज उजाले में,
हो गया पाक खुद ही नंगा।
नकवी की नाक नकेल लगी,
सबने सियार समझा रंगा।
जो लिए कटोरा घूम रहा,
कप ले कर भागा भिखमंगा।

युवाओं के लिए उन्नत तकनीकी कौशल अपनाना जरूरी है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि युवा उन्नत तकनीकी कौशल को अपनाएं। भारतीय कौशल विकास सेवा (आईएसडीएस) के परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कौशल और ज्ञान किसी भी राष्ट्र के आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति के इंजन हैं। उन्होंने कहा, '' जो देश उच्च कुशल कार्यबल विकसित करते हैं वे वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होते हैं।''

मुर्मू ने कहा, ''जैसे-जैसे भारत प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है, यह ज़रूरी है कि हमारे युवा उन्नत तकनीकी कौशल को अपनाएं।''

राष्ट्रपति ने कहा कि परिवीक्षाधीन अधिकारी एक मज़बूत और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, ''भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।''

आईएसडीएस के अलावा भारतीय सांख्यिकी सेवा और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात की।

भारतीय सांख्यिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि प्रभावी शासन में मापनीय और परिमाणात्मक संकेतकों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

मुर्मू ने कहा, ''सुदृढ़ नीति निर्माण और कार्यान्वयन सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण पर निर्भर करता है। आज की आंकड़ें आधारित दुनिया में सांख्यिकी की प्रासंगिकता बहुत बढ़ गई है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सामाजिक-आर्थिक और डिजिटल परिवर्तन के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा,'' उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेज़ी ने शासन में पारदर्शिता और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की है।''

वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों को शासन, संचार कौशल से सुसज्जित होना चाहिए : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों को शासन और संचार कौशल से लैस करने के महत्व पर ज़ोर दिया।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) की कार्यकारी परिषद की 327वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और डेटा-संचालित उपकरणों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ शासन प्रशिक्षण के मज़बूत एकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

अपने संबोधन में, सिंह ने वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों, जो अक्सर वरिष्ठ प्रशासनिक पदों पर जाते हैं, को शासन और संचार कौशल से लैस करने के महत्व पर ज़ोर दिया। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा, भारत में काफी वैज्ञानिक प्रतिभाएं हैं, लेकिन नेतृत्व की भूमिका निभाने वालों के लिए संस्थागत प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यकुशलता में व्यवस्थित प्रशिक्षण आवश्यक है।

मंत्री ने शासन में सोशल मीडिया की उभरती भूमिका पर भी बात की और अधिकारियों को इसके ज़िम्मेदाराना इस्तेमाल के प्रति संवेदनशील बनाने का आग्रह किया।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने सोशल मीडिया से जुड़ाव के कैसे और कैसे नहीं पर चर्चा के लिए खास कार्यशालाओं का आह्वान किया, साथ ही गलत सूचना के जोखिमों और विश्वसनीय जनसंचार की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया।

अमेरिका समेत कई देशों के साथ एफटीए पर बातचीत जारी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए अमेरिका, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू, चिली और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि कतर और बहरीन भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के इच्छुक हैं।

गोयल ने कहा कि अगस्त में भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईएईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे। ईएईयू में आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और रूस शामिल हैं।

मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में कहा, ''अमेरिका के साथ (व्यापार समझौते के लिए) बातचीत चल रही है। यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली के साथ भी बातचीत चल रही है।'' पिछले सप्ताह, गोयल ने न्यूयॉर्क में व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उस बैठक के बाद, भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया था।

दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर रचनात्मक बैठकें कीं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें कीं।

भारत के 'कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व' को यूनेस्को ने नामित किया

नई दिल्ली/शिमला/भाषा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र में ऊंचाई पर स्थित भारत के 'कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व' को बायोस्फीयर रिजर्व की सूची में शामिल किया है। विश्व संस्था ने इसकी घोषणा शनिवार को की। यूनेस्को ने कई देशों से नामित 26 नए बायोस्फीयर रिजर्व को इस सूची में शामिल किया है जिसमें भारत का 'कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व' भी शामिल है। भारत में अब यूनेस्को के विश्व बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क (डब्ल्यूएनबीआर) में सूचीबद्ध 13 बायोस्फीयर हो गए हैं। 'कोल्ड डेजर्ट' यानी शीत मरुस्थल वह होता है जो ठंडे प्रदेशों में पाया जाता हैं।

करूर मृतकों के परिजनों का दुख बयां करने के लिए शब्द नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि 27 सितंबर को यहां हुई भगदड़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के दुख को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं और ऐसी घटनाएं फिर कहीं नहीं होनी चाहिए। सीतारमण ने सार्वजनिक समारोहों, खासकर जब बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी इकट्ठा होते हैं, के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का समर्थन किया और कहा कि यह पूरे देश के लिए लागू होनी चाहिए।

उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन के साथ करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। बाद में, उन्होंने घायलों को दिए जा रहे उपचार के बारे में डॉक्टरों से बातचीत की। उन्होंने भगदड़ में अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। गत 27 सितंबर की रात वेलुसामीपुरम में अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की एक रैली में मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कनाडा ने बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित किया

ओटावा/भाषा। कनाडा ने सोमवार को कहा कि उसने भय का माहौल पैदा करने के कारण बिश्नोई गिरोह को आतंकवादी संगठन की सूची में डाल दिया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, हिंसा और आतंकी कृत्यों के लिए कनाडा में कोई जगह नहीं है, खासकर उन कृत्यों के लिए जिनमें भय का माहौल पैदा करने के लिए विशिष्ट समुदायों को निशाना बनाया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और कनाडा की उनकी समकक्ष नताली ड्रोइन के बीच नई दिल्ली में व्यापक वार्ता के एक सप्ताह से अधिक समय बाद यह फैसला लिया गया। दोनों पक्षों ने वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमति व्यक्त की थी।

चीन में धर्मों को समाजवादी समाज के और अधिक अनुरूप होना चाहिए : राष्ट्रपति चिनफिंग

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को कहा कि इस कम्युनिस्ट देश में धर्मों को समाजवादी समाज के ''और अधिक अनुरूप'' होना चाहिए। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चीन में धर्म चीनी परिप्रेक्ष्य के और अधिक अनुरूप होने चाहिए। शी ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के एक समूह अध्ययन सत्र की अध्यक्षता करते हुए धर्मों को सक्रिय मार्गदर्शन प्रदान करने का भी आह्वान किया ताकि वे समाजवादी समाज के अनुरूप बन सकें। वर्ष 2012 में सत्ता में आने के बाद से, शी (72) सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की धर्म संबंधी नीतियों को मार्क्सवादी विचारधारा के साथ जोड़कर उन्हें नया रूप दे रहे हैं। इस साल जुलाई में, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक सवाल का जवाब देते हुए, शी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के तहत तिब्बती बौद्ध धर्म और अन्य धर्मों के ''चीनीकरण'' का बचाव किया था। माओ ने कहा, ''मेरा मानना है कि धर्म का चीनीकरण धार्मिक आचरण पर प्रतिबंध लगाने के बारे में नहीं है, बल्कि सभी धर्मों को देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''चीन में तिब्बती बौद्ध धर्म एक ऐसे धर्म का प्रमुख उदाहरण है जिसने चीनी विशेषताओं को समाहित किया है और जो चीनीकरण की प्रक्रिया का उदाहरण है।'' चीन का कहना है कि उसके पास धार्मिक स्वतंत्रता है, लेकिन उसे पार्टी द्वारा निर्धारित मानदंडों के भीतर काम करना चाहिए। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि धर्मों को चीनी परिस्थितियों के अनुरूप होने के लिए क्या करना चाहिए।

अदन की खाड़ी में जहाज पर मिसाइल से हमला : ब्रिटेन की सेना

दुबई/एपी। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए संभावित मिसाइल हमले में सोमवार को अदन की खाड़ी में एक जहाज में आग लग गई। किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। यमन के मीडिया ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के नियंत्रित क्षेत्र से संभावित बैलिस्टिक मिसाइल छोड़े जाने की सूचना दी। ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने बताया कि कुछ ही देर बाद, अदन की खाड़ी में अदन के तट से लगभग 235 किलोमीटर दूर एक जहाज ने धमाके और धुआं छाने की सूचना दी।'' यूकेएमटीओ ने इस घटना को एक हमला बताया और निजी सुरक्षा फर्म एम्ब्रे की तरह ही क्षेत्र में मौजूद जहाजों से सावधानी बरतने का आग्रह किया। बाद में यूकेएमटीओ ने कहा, एक जहाज पर किसी अज्ञात मिसाइल से हमला हुआ है। जहाज़ में आग लगने की सूचना है। यह 23 सितंबर को हुए एक हमले जैसा ही था जिसमें एक जहाज बच गया था। हूती विद्रोहियों ने संभावित हमले की फिलहाल जिम्मेदारी नहीं ली है। गाजा में युद्ध के जवाब में हूती विद्रोही इजराइल और लाल सागर में जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं।

जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भाजपा-राजग सरकारों ने देश में सुशासन का एक नया मॉडल स्थापित किया है और पार्टी कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे। मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा कि भाजपा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए सरकार में है और इसके कार्यालय इसी भावना को जीवित रखे हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भाजपा-राजग सरकारों ने देश में सुशासन का एक नया मॉडल स्थापित किया है। हम 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमने देश और लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी, भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का विश्वास दिलाने के लिए देश को घोटालों से मुक्त किया।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सरकारों ने आम लोगों की बचत बढ़ाने और उन्हें बेहतर सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित किया।''

कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि 2014 में जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सत्ता में था, तब दो लाख रुपए से ज़्यादा की आय पर कर लगता था। उन्होंने कहा, ''अब 12 लाख रुपए की आय पर भी कर शून्य है। यही हाल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का था, 2014 से पहले अगर कोई आम परिवार अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों पर एक साल में एक लाख रुपए खर्च करता था, तो उसे लगभग 25,000 रुपए कर देना पड़ता था।'' उन्होंने कहा, ''हमने जीएसटी लागू किया, कीमतें कम हुईं और अब जीएसटी सुधारों के बाद, उसी परिवार को केवल 5,000-6,000 रुपए का कर देना पड़ेगा। वर्ष 2014 की तुलना में 20,000 रुपए की बचत हुई है। अगर हम आयकर और जीएसटी की बचत को जोड़ दें, तो हर साल लोगों की 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी।'' उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि लोगों और व्यापारियों के बीच जागरूकता फैलाकर जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे।

राष्ट्रीय राजधानी को 'मिनी इंडिया' बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं से भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाए जाने वाले हर त्योहार को मनाने को कहा।

स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए, मोदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर दुकान पर 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है' लिखा एक बोर्ड हो।

मोदी ने कहा कि विदेशी उत्पादों पर हमारी निर्भरता जितनी कम होगी, देश के लिए उतना ही बेहतर होगा।

प्रश्न-पत्र लीक की सीबीआई जांच की सिफारिश करेंगे : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले हफ्ते स्नातक स्तर की परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ देहरादून के परेड ग्राउंड में प्रदर्शन कर रहे युवाओं से सोमवार को मुलाकात की और उन्हें मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश करने का आश्वासन दिया।

धामी ने बताया कि उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक से जुड़े आरोपों की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि चूंकि छात्र अभी भी मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग कर रहे हैं, इसलिए सरकार इसकी सिफारिश करेगी। धामी ने कहा, इस मामले में कोई अड़चन नहीं आएगी। सरकार युवाओं के मन में कोई संदेह या आशंका नहीं छोड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार का एकमात्र संकल्प पूरी तरह से पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में उठाए गए कदम, जिनमें राज्य में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू करना और लगभग सौ नकल माफिया की गिरफ्तारी शामिल है, इसी संकल्प के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले चार वर्षों में पारदर्शी तरीके से 25,000 से अधिक सरकारी भर्तियां की हैं और इन्हें लेकर कोई शिकायत नहीं आई है। धामी ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की शिकायत केवल एक मामले में की गई है, इसलिए सरकार युवाओं के मन से सभी संदेह दूर करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। युवाओं का दृष्टिकोण सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उन्हें इस त्योहारी मौसम में भीषण गर्मी में विरोध-प्रदर्शन करते देख दुखी हैं।

धामी ने कहा कि वह चाहते तो यह बातचीत अपने कार्यालय में भी कर सकते थे, लेकिन युवाओं की पीड़ा को देखते हुए उन्होंने प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर उनसे मिलने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा था कि जरूरत पड़ने वह कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की सीबीआई सहित किसी भी एजेंसी से जांच कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन पहले एसआईटी को अपनी जांच पूरी करने का मौका दिया जाना चाहिए। धामी ने प्रदर्शनकारी युवाओं को भरोसा दिलाया कि अगर विरोध-प्रदर्शन के दौरान उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है, तो उसे वापस ले लिया जाएगा।

टेस्ला ने भारत में 'मॉडल वाई' की आपूर्ति शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसने जुलाई में पेश किए गए वाहन 'मॉडल वाई' की आपूर्ति शुरू कर दी है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि मॉडल की पेशकश के दो महीने के भीतर ही इसकी आपूर्ति शुरू करना भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने और टिकाऊ विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कंपनी ने बताया कि नए मॉडल वाई के खरीदारों को उनके घर के भीतर चार्जिंग की आसान सुविधा के लिए पार्किंग क्षेत्र में मुफ्त वॉल कनेक्टर भी दिया जाएगा।

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला का मॉडल वाई वर्ष 2023 और 2024 में दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला इलेक्ट्रिक वाहन रहा है।

कंपनी ने इसे भारत में नए सिरे से डिजाइन कर पेश किया है। यह भारत में दो संस्करणों में उपलब्ध है जिसकी रेंज क्रमशः 500 किलोमीटर और 622 किलोमीटर है। उसने कहा कि लंबी दूरी वाले संस्करण की आपूर्ति जल्द ही शुरू की जाएगी। कंपनी ने जुलाई में मुंबई और अगस्त में दिल्ली के एयरोसिटी में अपने अनुभव केंद्र भी खोले हैं।

केआईआईटी के दीक्षांत समारोह में नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। केआईआईटी डीयू का 21वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इसमें 9,464 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। इनमें 7,235 स्नातक, 2,034 स्नातकोत्तर और 195 पीएचडी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार यह कार्यक्रम तीन दिनों तक आयोजित किया गया, ताकि बड़ी संख्या में आए विद्यार्थियों और उनके परिवारों को सुविधा हो।

इस समारोह में श्रीलंका के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. मोहन मुनसिंघे, ट्यूनीशिया के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ओउइद बुचामाउई और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ. न्यायमूर्ति अब्दुलकावी अहमद यूसुफ ने शिरकत की।

मानद डॉक्टरेट की उपाधियां बुचामाउई के अलावा ग्वाटेमाला के रेक्टर और कांग्रेस सदस्य डॉ. फिदेल रेयेस ली, वॉकहार्ड्ट लि. के कार्यकारी निदेशक एवं वैश्विक मानवतावादी अधिवक्ता डॉ. हुज़ैफ़ा खोराकीवाला, जर्मनी के पुरातत्व पार्क के अध्यक्ष नॉर्बर्ट सॉयर, लालचंद समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुंजॉय हंस, कंपीटीशन सक्सेस रिव्यू के एसके सचदेवा को प्रदान की गईं। प्रो. मुनासिंघे ने बदलती दुनिया में स्थिरता और शांति की तात्कालिक चुनौतियों पर बात की। उन्होंने 'गरीबी, असमानता और संसाधनों की कमी के गठजोड़' पर प्रकाश डाला।

मूडीज ने स्थिर परिदृश्य के साथ भारत की रेटिंग 'बीएए3' पर बरकरार रखी

नई दिल्ली/भाषा। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को भारत के लिए 'स्थिर' परिदृश्य के साथ दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग और स्थानीय मुद्रा वरिष्ठ असुरक्षित रेटिंग को बीएए3 पर बरकरार रखा।

स्थानीय-मुद्रा और विदेशी-मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग, किसी देश की समग्र ऋण-पात्रता और दायित्वों को पूरा करने की क्षमता को बताती है। वहीं स्थानीय मुद्रा वरिष्ठ असुरक्षित रेटिंग, उधारकर्ता की असुरक्षित ऋण चुकाने की क्षमता को दर्शाती है। यह कर्ज लेने वाले की अपनी मुद्रा में ऐसा ऋण होता है जिसके लिए कोई गारंटी नहीं होती। इसके साथ वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने भारत की अन्य अल्पकालिक स्थानीय मुद्रा रेटिंग को भी पी-3 पर कायम रखा।

एक बयान में कहा गया, ''रेटिंग की पुष्टि और स्थिर परिदृष्य हमारे इस विचार को दर्शाते हैं कि भारत की मौजूदा ऋण क्षमताएं बनी रहेंगी। इनमें देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत बाहरी स्थिति और मौजूदा राजकोषीय घाटे के लिए स्थिर घरेलू वित्तपोषण आधार शामिल है।''

करूर हादसे की जांच के लिए नड्डा ने राजग का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया है जो तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की परिस्थितियों की जांच करेगा और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी।

भाजपा आमतौर पर इस तरह की दुखद घटनाओं की जांच के लिए अपने नेताओं को घटनास्थल पर भेजती है, लेकिन इस बार, पार्टी ने अपने सहयोगियों - शिवसेना और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसदों को भी आठ सदस्यीय समिति में शामिल किया है। पार्टी का यह कदम स्पष्ट रूप से यह संदेश देने का प्रयास है कि वह अपने सहयोगियों को कितना महत्व देती है।

मथुरा से भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी इस प्रतिनिधिमंडल की संयोजक हैं और इसके सदस्यों में शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और तेदेपा के पुट्टा महेश कुमार शामिल हैं। हेमा मालिनी स्वयं एक तमिल हैं।

प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या, पूर्व आईपीएस अधिकारी बृज लाल, अपराजिता सारंगी और रेखा शर्मा हैं, जो सभी भाजपा से हैं।

टीवीके प्रमुख विजय की शनिवार को एक रैली में हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पीड़ित, 60 वर्षीय एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया जिससे मृत महिलाओं की संख्या बढ़कर 18 हो गई। मृतकों में 10 बच्चे और 13 पुरुष शामिल हैं।

नए जीएसटी दरों से पेट्रोलियम, कोल बेड मीथेन उद्योग पर पड़ेगा असरः उद्योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेल, गैस और कोल बेड मीथेन क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले पूंजीगत सामान पर जीएसटी बढ़ाने से प्रतिकूल असर पड़ेगा।

इससे पेट्रोलियम क्षेत्र से जुड़े हाल के कानून में अनुबंध एवं राजकोषीय प्रावधानों को लेकर जो भरोसा दिलाया गया था, वह कमजोर पड़ता हुआ नजर आ रहा है।

उद्योग मंडल फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे एक पत्र में यह बात कही।

इस महीने मंत्री को लिखे दूसरे पत्र में उद्योग निकाय ने 25 सितंबर को कहा कि पेट्रोलियम (प्राकृतिक गैस सहित) और कोल बेड मीथेन (सीबीएम) क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले पूंजीगत सामानों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने से उस उद्योग पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

इसमें यह भी कहा गया कि जीएसटी के तहत प्राकृतिक गैस को शामिल न करने के कारण इस क्षेत्र को पहले ही नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

फिक्की ने लिखा, ''जीएसटी वृद्धि अन्वेषण एवं उत्पादन (ईएंडपी) अनुबंधों के विपरीत है और यह इस क्षेत्र में परियोजना लागत को बढ़ा देगा। इस क्षेत्र में उच्च जोखिम वाली पूंजी और लंबी अवधि के निवेश की आवश्यकता होती है।''

उद्योग मंडल ने कहा कि यह फैसला आगे के निवेश को हतोत्साहित करता है, घरेलू उत्पादन को कमजोर करता है, और ऊर्जा सुरक्षा तथा 'मेक इन इंडिया' के राष्ट्रीय लक्ष्यों के विपरीत है।

उद्योग निकाय ने संसद द्वारा हाल में पारित तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) संशोधन अधिनियम, 2025 का उल्लेख किया, जो अपस्ट्रीम ईएंडपी परिचालकों को वित्तीय स्थिरता देता है।

फिक्की ने कहा कि उद्योग किसी प्रोत्साहन की मांग नहीं कर रहा है, बल्कि चाहता है कि सरकार ईएंडपी अनुबंधों की सहमत संविदात्मक शर्तों को जारी रखे।

भारत अपनी तेल जरूरतों का 88 प्रतिशत और गैस मांग का लगभग आधा आयात से पूरा करता है। इस आयात निर्भरता को कम करने के लिए, सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है।

भव्य रूप से छठ पर्व मनाने के लिए यमुना के किनारे बनाए जाएंगे अस्थायी घाट : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार छठ पूजा के भव्य आयोजन के लिए यमुना नदी के दोनों किनारों पर अस्थायी घाट बनाने सहित व्यापक व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में छठ पूजा योजनाबद्ध तरीके से ऐतिहासिक होगी और पूर्वांचली लोगों को बिना किसी बाधा के त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, ''हमने यमुना के दोनों किनारों पर अस्थायी घाटों पर भव्य छठ पूजा की योजना बनाई है और सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।''

गुप्ता ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी और किसी भी तरफ से कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी में भव्य छठ पूजा होगी। महामारी के दौरान यमुना तट पर छठ पूजा का आयोजन रोक दिया था। बाद में, अदालती आदेशों के कारण प्रतिबंध जारी रहा। राजधानी में रहने वाले पूर्वी उप्र, बिहार और झारखंड के लोग छठ पूजा करते हैं। सूर्य की उपासना के इस महापर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यमुना नदी के तट पर पूजा करने संबंधी रोक के मद्देनजर कुछ वर्षों में छठ पर्व के लिए दिल्ली सरकार ने उद्यानों और सार्वजनिक स्थानों पर सैकड़ों अस्थायी कुंड बनाए थे।

अमेजन फ्रेश ने भारत के 270 से ज्यादा शहरों में किराना सेवा का विस्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन इंडिया ने सोमवार को अपनी ऑनलाइन किराना सेवा 'अमेजन फ्रेश' का देश के 270 से ज्यादा शहरों में विस्तार करने की घोषणा की।

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने त्योहारी बिक्री के दौरान यह सेवा विस्तार किया है और इसमें गोरखपुर, देहरादून, जालंधर, कोयंबटूर, नेल्लोर, जमशेदपुर और दुर्गापुर शामिल हैं।

अमेजन फ्रेश इंडिया के निदेशक श्रीकांत श्री राम ने कहा, ''अमेजन फ्रेश की पहुंच सिर्फ दो सालों में 4.5 गुना और चयन में 10 गुना बढ़ गई है। इससे भारत भर के परिवारों के लिए ऑनलाइन किराने का सामान खरीदने का तरीका बदल गया है। कुल 270 से ज्यादा शहरों में विस्तार करके, हम घरेलू जरूरत का सामान और त्योहारों के पसंदीदा सामान पहले से कहीं ज्यादा घरों तक पहुंचा रहे हैं।''

टाटा कम्युनिकेशंस को जीएसटीएटी का डिजिटल ढांचा तैयार करने का ऑर्डर मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कम्युनिकेशंस ने सोमवार को कहा कि उसे माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) से 'कई करोड़ रुपए' का एक ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), क्लाउड और सुरक्षा सहित सभी क्षेत्रों में एकीकृत प्रबंधन के साथ एक संपूर्ण डिजिटल ढांचा तैयार करने के लिए है।

कंपनी ने बयान में कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य जीएसटीएटी के संचालन में तेजी लाना और उसे सुव्यवस्थित करना है। परियोजना देश भर में न्यायाधिकरण की सभी पीठों तक निर्बाध पहुंच को सक्षम करेगी, डेटा सुरक्षा को मजबूत करेगी और एक सरल उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगी। बयान के मुताबिक, ''टाटा कम्युनिकेशंस को जीएसटीएटी की पीठों के लिए एक व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए एक रणनीतिक परियोजना आवंटित की गई है। इसमें नेटवर्क संरचना, आईओटी, क्लाउड और सुरक्षा के साथ सभी क्षेत्रों में एकीकृत प्रबंधन शामिल है।'' टाटा कम्युनिकेशंस ने कहा कि करोड़ों रुपए का यह प्रतिष्ठित ऑर्डर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहलों के लिए एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में उसकी स्थिति को और मजबूत करेगा।

वैचारिक लड़ाई हारने वाले लोग राहुल को चुप कराने के लिए रच रहे 'साजिश' : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पूर्व नेता द्वारा राहुल गांधी पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला जारी रखते हुए कहा कि जो लोग वैचारिक लड़ाई हार रहे हैं और जिनकी चोरी उजागर हो गई है, वे विपक्ष के नेता को चुप कराने के लिए ''साजिश'' रच रहे हैं।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह अपने 'प्रवक्ता' के इस कृत्य का समर्थन करती है और यदि नहीं करती है तो कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरएसएस की छात्र इकाई एबीवीपी के पूर्व नेता प्रिंटू महादेव द्वारा राहुल गांधी को दी गई धमकी का उल्लेख करते हुए भाजपा पर तीखे हमले किए। वेणुगोपाल ने कहा, ''एक भाजपा प्रवक्ता ने एक टीवी चैनल पर बहस के दौरान खुली धमकी दी। मुझे नहीं पता कि केरल पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है, इसलिए मैंने अमित शाह जी को लिखा। भाजपा प्रवक्ता की ओर से स्पष्ट धमकी है... हमें लगता है कि यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। मुझे अभी तक गृह मंत्री से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''हम भाजपा से जानना चाहते हैं कि क्या वह इस कृत्य के साथ है ? अगर नहीं, तो उन्हें उस प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।'' वेणुगोपाल ने रविवार को इस मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न करने को लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ हिंसा में मिलीभगत और हिंसा को सामान्य बनाने के रूप में देखा जाएगा। वेणुगोपाल ने दावा किया था कि महादेव भाजपा के प्रवक्ता हैं और उन्होंने यह टिप्पणी एक मलयालम चैनल पर टेलीविज़न बहस के दौरान की थी। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, भाजपा के एक प्रवक्ता ने टीवी पर कहा कि 'राहुल गांधी के सीने में गोली मार दी जाएगी' और उस प्रवक्ता पर कोई कार्रवाई भी नहीं की गई। खेड़ा ने कहा, इससे पहले सीआरपीएफ ने (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन) खरगे जी को राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर एक पत्र लिखा था और उसे लीक कर दिया गया था। उनकी सुरक्षा का राजनीतिकरण क्यों किया जा रहा है और ऐसा माहौल क्यों बनाया जा रहा है?

साइबर धोखाधड़ी से गोवा के लोगों को 2024 में 100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ : सावंत

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को कहा कि 2024 में साइबर धोखाधड़ी में राज्य के लोगों को 100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। सावंत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं से बूथ स्तर पर आम लोगों में साइबर अपराध के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने की अपील की।

ऑनलाइन धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने पर पणजी में भाजपा द्वारा आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए सावंत ने कहा, ''पिछले साल भारत में 22,845 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधड़ी की जानकारी सामने आयी, जिनमें गोवा में 100 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी भी शामिल है, जो चिंताजनक है।'' उन्होंने कहा कि पीड़ितों में अशिक्षित के साथ-साथ शिक्षित लोग भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यशाला का आयोजन यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि भाजपा नेता साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ दूत बनें। सावंत ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए रोकथाम उपाय अपनाने और जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

शत्रु को 'अधिक कड़ा' जवाब देने के लिए ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण को मजबूत किया गया : प. कमान प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय सेना की पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कटियार ने सोमवार को कहा कि पूर्व के मुकाबले अब शत्रु को कहीं अधिक कड़ा दंड दिया जाएगा, क्योंकि सेना ने एक अभ्यास के दौरान एकीकृत तरीके से ड्रोन, ड्रोन रोधी प्रणाली और मानव रहित हथियारों के उपयोग का प्रदर्शन किया है।

कटियार ने हरियाणा के अंबाला जिले में नारायणगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन का काफी इस्तेमाल किया गया था और उससे सीख लेते हुए हमने अपने ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण को मजबूत किया है... इस बार दुश्मन को दी जाने वाली सजा पहले से कहीं अधिक कड़ी होगी।'' एक पखवाड़े पहले लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में विजय की हीरक जयंती समारोह के अवसर पर पश्चिमी कमान मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा था कि यदि पाकिस्तान या उसके द्वारा समर्थित आतंकवादी संगठन फिर से कोई आतंकवादी हमला करते हैं, तो ''इस बार हमारा जवाब पहले से भी अधिक कठोर होगा।'' पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी कमानों ने 25 सितंबर से 'वायु समन्वय' नामक संयुक्त अभ्यास किया - जो दो प्रमुख ऑपरेशन 'थियेटर' में निर्बाध तालमेल को प्रदर्शित करता है। इस अभ्यास में ड्रोन, ड्रोन रोधी प्रणाली और मानव रहित हथियारों को वास्तविक परिस्थितियों में एकीकृत किया गया, जिससे भविष्य के युद्ध के लिए सेना की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और रणनीतियों को मान्यता मिली। इसमें युद्धक्षेत्र में अनुकूलन, नवाचार और गति से संचालन करने की भारतीय सेना की क्षमता को रेखांकित किया गया, साथ ही प्रशिक्षण, तकनीकी नवाचार और राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के उच्च मानकों की पुष्टि हुई। इस युद्धाभ्यास के दौरान विभिन्न प्रकार के स्वदेशी ड्रोन की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। भविष्य के युद्ध में ड्रोन की चुनौती को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कटियार ने कहा, ''हम पूरी तरह तैयार हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान ने खूब ड्रोन का इस्तेमाल किया था और उनके अधिकांश ड्रोन हमने नष्ट कर दिए थे।''

इलेक्ट्रिक वाहनों में 2027 से लगानी होगी ध्वनि चेतावनी प्रणाली, पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक अक्टूबर, 2027 से सभी इलेक्ट्रिक कारों, बसों और ट्रकों में 'ध्वनिक वाहन चेतावनी प्रणाली' (अवास) को अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। 'अवास' प्रणाली एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जिसे खासकर इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहनों के लिए बनाया गया है। दरअसल ये वाहन कम गति पर लगभग बिना आवाज के चलते हैं, जिससे पैदल यात्रियों, खासकर दृष्टिबाधित लोगों को उनके आने का पता नहीं चल पाता है।

ऐसे में जोखिम को कम करने के लिए इन वाहनों में लगी अवास प्रणाली के स्पीकर कृत्रिम ध्वनि पैदा करते हैं, जिसकी तीव्रता और स्वर वाहन की गति और दिशा के हिसाब से बदलते रहते हैं। इससे सड़क पर चल रहे लोग वाहन की मौजूदगी और उसकी गति का अंदाजा लगा पाते हैं।

मंत्रालय ने इस संबंध में जारी मसौदा अधिसूचना में कहा है कि अक्टूबर 2026 के बाद विनिर्मित इलेक्ट्रिक यात्री एवं मालवाहक वाहनों के सभी नए मॉडलों में अवास प्रणाली अनिवार्य रूप से मौजूद होनी चाहिए।

अधिसूचना में कहा गया है, नए मॉडलों के मामले में एक अक्टूबर, 2026 एवं उसके बाद और मौजूदा मॉडलों के मामले में एक अक्टूबर 2027 को, श्रेणी एम और एम के इलेक्ट्रिक वाहनों में समय-समय पर संशोधित एआईएस-173 में निर्दिष्ट श्रव्यता संबंधी शर्तों को पूरा करने वाले अवास लगाए जाएंगे। श्रेणी एम के इलेक्ट्रिक वाहनों में यात्री परिवहन के लिए बनाई गई इलेक्ट्रिक कारें और बसें आती हैं जबकि श्रेणी एन के तहत इलेक्ट्रिक ट्रक और मालवाहक वाहन शामिल हैं। अमेरिका, जापान और यूरोपीय संघ के कुछ देशों ने पहले ही हाइब्रिड वाहनों में अवास ध्वनि प्रणाली के इस्तेमाल को अनिवार्य कर दिया है।

कर्नाटक ने पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए एकीकृत भूमि अधिग्रहण प्रणाली शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने एकीकृत भूमि अधिग्रहण प्रणाली (यूएलएमएस) 'डेटा मॉड्यूल' की सोमवार को शुरुआत की, जो पूरे राज्य में भूमि अधिग्रहण प्रस्तावों में पारदर्शिता, दक्षता और निष्पक्षता लाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक कदम है। सरकार ने कहा कि कर्नाटक एकीकृत भूमि अधिग्रहण प्रणाली एक राज्यव्यापी डिजिटल मंच है जिसे भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सुसंगत बनाने और जारी एवं पिछले प्रस्तावों से संबंधित मुकदमों पर नजर रखने के लिए तैयार किया गया है।

राजस्व विभाग ने एक बयान में कहा, ''यह मॉड्यूल ई-गवर्नेंस विभाग के तहत स्मार्ट गवर्नेंस केंद्र की यूएलएमएस परियोजना द्वारा राजस्व विभाग, वरिष्ठ अधिकारियों और क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति के मार्गदर्शन और समीक्षा के साथ विकसित किया गया है।'' विभाग के अनुसार, यह मॉड्यूल सभी भूमि अधिग्रहण एजेंसियों और विभागों को संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान भूमि अधिग्रहण का संपूर्ण विवरण दर्ज करने में सक्षम बनाएगा।इनमें राजस्व, सिंचाई, शहरी विकास और बुनियादी ढांचा विकास विभाग के साथ-साथ बेंगलूरु विकास प्राधिकरण, बेंगलूरु महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और कर्नाटक राज्य राजमार्ग सुधार परियोजना शामिल हैं। इसमें मेट्रो, कर्नाटक आवास बोर्ड और कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड भी शामिल होंगे। बयान में कहा गया है, ''यह सभी भूमि अधिग्रहण प्रस्तावों की वास्तविक समय की जानकारी भी प्रदान करेगा और उनकी स्थिति हितधारकों और निर्णयकर्ताओं के लिए एक समेकित डैशबोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी। भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजा और पारदर्शिता के अधिकार के अनुसार नये प्रस्तावों के लिए प्रक्रिया-आधारित कार्यप्रणाली को शामिल करने के लिए इस व्यवस्था को उन्नत किया जा रहा है।'' यह मंच भूमि अधिग्रहण के पूरे जीवनचक्र को प्रबंधित करने के लिए एक एकल-खिड़की डिजिटल प्रणाली के रूप में कार्य करेगा इस मौके पर राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा, एकीकृत भूमि अधिग्रहण प्रणाली के साथ, कर्नाटक नागरिक-केंद्रित शासन में एक नया मानदंड स्थापित कर रहा है।

सिद्दरामय्या ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का बचाव किया, बहिष्कार के आह्वान को लेकर भाजपा की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य में जारी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का सोमवार को बचाव किया तथा इसके बहिष्कार का आह्वान करने को लेकर भाजपा नेताओं की आलोचना की। सिद्दरामय्या ने एक बयान में कहा, हमारी सरकार ने समानता सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण शुरू किया है। जिस क्षण हमने इसे शुरू किया, 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा लगाने वाले अपना असली रंग दिखाने लगे।'' उन्होंने कहा कि राज्य के भाजपा नेता एक-एक कर, लोगों से (जातिवार) सर्वेक्षण का बहिष्कार करने का आग्रह कर रहे हैं और जनता के सामने खुद को उजागर कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण को किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा, ''यह राज्य के सात करोड़ लोगों का सर्वेक्षण है। यह किसी के खिलाफ नहीं है। यह सभी के हित में है। मुख्य उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक समानता प्राप्त करना तथा सभी के लिए उचित हिस्सा और निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करना है।''

भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि ''मनुस्मृति मानसिकता'' वाले चाहते हैं कि धन, अवसर, प्रतिनिधित्व को पहले जैसा ही बना रहना चाहिए। गरीबों को गरीब ही रहना चाहिए, पिछड़े को पिछड़ा ही रहना चाहिए, महिलाओं को वंचित रहना चाहिए तथा जातियों और वर्गों के बीच असमानता बनी रहनी चाहिए। यह भाजपा नेताओं की सोच है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण न केवल दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों की वास्तविकताओं को सामने लाएगा, बल्कि तथाकथित अगड़ी जातियों के भीतर गरीब और वंचित लोगों की स्थिति को भी सामने लाएगा।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''यह ऐसी वास्तविकता है जिसे भाजपा नहीं चाहती कि लोग देखें। उनका विरोध इस इरादे में निहित है कि धन, अवसर और प्रतिनिधित्व को केवल हर जाति और धर्म के भीतर विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के हाथों में ही केंद्रित रहना चाहिए।'' सिद्दरामय्या ने उल्लेख किया कि जाति-आधारित सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण पहले ही बिहार और तेलंगाना में कराये जा चुके हैं, जहां भाजपा नेताओं ने चुप्पी साधे रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''अब केंद्र की भाजपा सरकार ने खुद एक जातिवार गणना कराने का फैसला किया है। ऐसे में, कर्नाटक में सर्वेक्षण का विरोध कर रहे भाजपा नेता क्या केंद्र सरकार की जातिवार गणना का भी विरोध करेंगे? क्या आपमें प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी आवाज उठाने का साहस है?''

वहीं, एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह आशंका जताई थी कि कर्नाटक में जातिवार सर्वेक्षण के आंकड़ों को बेचा जा सकता है। उन्होंने हुब्बली में संवाददाताओं से कहा था कि कई गैर जरूरी ब्योरा एकत्र किया जा रहा है जैसे कि आय, आयकर का भुगतान, घर में विधवाएं, कभी जातीय भेदभाव का सामना किया गया हो और किसी सामाजिक संगठन की सदस्यता आदि। जोशी ने यह भी कहा कि न तो वह और न ही उनका परिवार अधिकारियों को कोई जानकारी उपलब्ध कराएगा।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मनुस्मृति का हवाला देते हुए बलात्कार के आरोपी को नहीं दी जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने महिलाओं के प्रति सम्मान से संबंधित मनुस्मृति के एक श्लोक और महात्मा गांधी के एक कथन का हवाला देते हुए बलात्कार के मामले में आरोपी एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया। यह मामला बिहार के बांका की एक लड़की (19) से संबंधित है, जो अनुसूचित जनजाति से आती है। उसके माता-पिता केरल के एक इलायची बागान में कार्यरत हैं। यह महिला एक अप्रैल को देर रात लगभग डेढ़ बजे केरल से बेंगलूरु के केआर पुरम रेलवे स्टेशन पहुंची थी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, वह अपने भाई के साथ महादेवनगर की ओर भोजन के लिए जा रही थी तभी स्टेशन के पास कथित तौर पर दो लोगों ने उन्हें घेर लिया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपी ने लड़की के भाई को वहीं रोके रखा जबकि उसका साथी लड़की को घसीटकर पास ही एक जगह पर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। महिला के चीखने पर स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया और कथित बलात्कारी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

न्यायमूर्ति एस रचैया ने चार सितंबर को जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए घटना की गंभीरता और पीड़िता द्वारा झेले गए सदमे को रेखांकित करते हुए कहा, आरोपी द्वारा दूसरे व्यक्ति के साथ मिलकर किया गया यह कृत्य पीड़िता के जीवन में एक कलंक बनकर रहेगा। उसके लिए इस पीड़ा से उबरना बहुत मुश्किल होगा। सुनवाई के दौरान पीठ ने मनुस्मृति के एक श्लोक का हवाला दिया, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता, यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्रफला: क्रिया:' जिसका अर्थ है कि जहां नारियों का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है लेकिन जहां उनका अनादर होता है, वहां सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। न्यायमूर्ति रचैया ने गांधी के शब्दों को भी याद किया, जिस दिन कोई महिला रात में सड़क पर स्वतंत्र रूप से चल सकेगी, उस दिन हम कह सकते हैं कि भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त कर ली है।

कराबी निगम में हिन्दी पखवाड़े का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पीनिया के क.रा.बी. निगम, अस्पताल में 29 सितम्बर को हिन्दी पखवाड़े के समापन हुआ। पखवाड़े के दौरान अस्पताल के मुख्य स्थानों पर राजभाषा पखवाड़े के बैनर लगाए गए। पखवाड़े के दौरान चार (वाक्, निबंध, राजभाषा ज्ञान व टिप्पण-आलेखन) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

समापन समारोह के कार्यक्रम का शुभारंभ सुजाता एम आर, एवं साथियों द्वारा मंगलाचरण के साथ किया गया। कार्यक्रम के लिए सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी कैलाश चंद शर्मा ने कहा कि संविधान में हिंदी का प्रचार- प्रसार बढ़ाने के लिए प्रेरणात्मक व प्रोत्साहन की नीति अपनाई है अतः हमें रूचि लेकर राजभाषा के नियमों का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत) राकेश कॉल तथा उपस्थित सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने राजभाषा शाखा द्वारा प्रदर्शित पुस्तकों एवं पत्रिकाओं के संचय को सराहा । मुख्यअतिथि राकेश कॉल एवं मंचासीन अधिकारियों ने पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मृदुला ए एम ने सभी का अभिवादन करने के बाद, सभी पुरस्कार विजेताओं को और भाग लेने वालों को बधाई दी। गृह पत्रिका 'निरामय' के दूसरे अंक का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवर श्रेणी लिपिक धर्मेन्द्र कुमार ने किया। कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी कैलाश चंद शर्मा ने कार्यक्रम का आयोजन किया। उप निदेशक राजभाषा प्रभारी सुभाषचन्द्र लाल ने हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह की सभी को बधाई दी तथा धन्यवाद ज्ञापन किया।

पोस्ट हटाने का कर्नाटक सरकार का आदेश

उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील करेगा 'एक्स'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेगा, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत विषय-वस्तु (कंटेंट) हटाने का आदेश जारी करने के सरकारी अधिकारियों के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी गयी थी। 'एक्स' ने कहा कि पुलिस अधिकारियों द्वारा सहयोग नामक एक गुप्त ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उसके मंच से मनमाने ढंग से सामग्री हटाने का आदेश भारतीय नागरिकों के भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच ने अपने आधिकारिक हैंडल के जरिए सोमवार को कहा, ''एक्स भारतीय कानून का सम्मान करता है और उसका पालन करता है, लेकिन यह आदेश हमारी याचिका में उठाये गये मूल संवैधानिक मुद्दों को हल करने में विफल रहा है तथा मुंबई उच्च न्यायालय के उस हालिया फैसले के साथ असंगत है, जिसमें कहा गया था कि इस तरह की व्यवस्था असंवैधानिक थी।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को 'एक्स' कॉर्प की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत सरकारी अधिकारियों द्वारा सामग्री हटाने के आदेश जारी करने के अधिकार को चुनौती दी गई थी और कहा था कि सोशल मीडिया को विनियमित करने की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोशल मीडिया के नियमन पर जोर दिया, खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में। पीठ ने आगे कहा कि भारतीय बाजार को ऐसा मैदान नहीं माना जा सकता, जहां कानूनों की अवहेलना या वैधता की अनदेखी करके सूचना प्रसारित की जा सकती है।

'एक्स' ने कहा, ''हम इस विचार से सम्मानपूर्वक असहमति जताते हैं कि विदेशी होने के नाते हमें ये चिंताएं उठाने का कोई अधिकार नहीं है। एक्स भारत में सार्वजनिक संवाद में महत्वपूर्ण योगदान देता है और हमारे उपयोगकर्ताओं की आवाज हमारे मंच के केंद्र में है। हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए इस आदेश के ख़िलाफ़ अपील करेंगे।'' सोशल मीडिया मंच ने कहा कि वह कर्नाटक की अदालत के हालिया आदेश से बेहद चिंतित है, जो लाखों पुलिस अधिकारियों को सहयोग' नामक एक गुप्त ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मनमाने ढंग से सामग्री हटाने के आदेश जारी करने की अनुमति देगा।

'एक्स' ने कहा, इस नयी व्यवस्था का कानूनी आधार नहीं है, यह आईटी अधिनियम की धारा 69ए का (भी) उल्लंघन करती है, सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का उल्लंघन करती है और भारतीय नागरिकों के भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकारों का हनन करती है।''

भाजपा नेताओं ने कर्नाटक के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, तत्काल राहत उपायों की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र की सीमा से लगे उत्तरी कर्नाटक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सोमवार को दौरा किया। पड़ोसी राज्य में मूसलाधार बारिश के कारण महाराष्ट्र से निकलने वाली कृष्णा और भीमा जैसी नदियां उफान पर हैं। सूत्रों ने बताया कि इन नदियों पर बने बांधों के फाटक खोल दिए जाने के बाद घर जलमग्न हो गए, फसलें नष्ट हो गईं तथा पुल और पुलिया डूब गए या बह गए।

सूत्रों के अनुसार, कलबुर्गी, विजयपुरा, बीदर और यादगीर ये चार जिले सबसे ज़्यादा प्रभावित हैं। बीदर और कलबुर्गी को जोड़ने वाले पुल के उफनती भीमा नदी में पूरी तरह डूब जाने के कारण वहां सैकड़ों वाहन फंस गए। प्रतिनिधिमंडल में कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलावदी नारायणस्वामी और विधायक शैलेन्द्र बेल्देले, प्रभु चौहान और शरणु सालागर शामिल थे।

सूत्रों ने बताया कि भाजपा नेता ने ट्रैक्टर पर सवार होकर बीदर तालुका के इस्लामपुर गांव में फसल क्षति का मुआयना किया और उन्होंने स्थिति का आकलन करने के लिए कलबुर्गी के कई गांवों का भी दौरा किया। कलबुर्गी में पत्रकारों से बात करते हुए विजयेंद्र ने कहा, किसान संकट में हैं। सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। मैं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से अनुरोध करता हूं कि राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के तहत केंद्रीय अनुदान का इंतज़ार करने के बजाय वे और धनराशि जारी करें।

नौ करोड़ रु मूल्य का मादक पदार्थ बरामद, दो विदेशियों सहित सात गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के अलग-अलग मामलों में दो विदेशी नागरिकों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है और हालिया अभियानों में उनके पास से 9.93 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये गिरफ्तारियां पिछले 10 दिनों में बेंगलूरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) की मादक पदार्थ निरोधक शाखा ने की हैं। पुलिस ने 3.858 किलोग्राम एमडीएमए क्रिस्टल, एक्स्टसी की 41 ग्राम गोलियां, 1.82 किलोग्राम हाइड्रो गांजा, छह किलोग्राम गांजा, कथित तौर पर अपराध में इस्तेमाल की गयी एक कार और एक दोपहिया वाहन जब्त किया है।

पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने पत्रकारों से कहा कि सीसीबी की मादक पदार्थ निरोधक शाखा ने पांच मामलों में दो विदेशी नागरिकों सहित सात तस्करों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, कुल 9.93 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनमें से एमडीएमए और एक्स्टसी की गोलियों की अनुमानित कीमत 7.80 करोड़ रुपये है। सिंह ने बताया कि एक मामले में, डाकघर में विदेश से कूरियर सेवा के माध्यम से लाया जा रहा हाइड्रो गांजा भी जब्त किया गया।

पुलिस ने अवैध रूप से रहने के आरोप में तीन विदेशियों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) की नारकोटिक शाखा ने सोमवार को कहा कि उसने देवनहल्ली स्थित एक अपार्टमेंट में अवैध रूप से रहने के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें बिना वैध दस्तावेजों के देश में रह रहे तीन विदेशियों की मौजूदगी के बारे में 25 सितंबर को विश्वसनीय जानकारी मिली थी।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीसीबी की एक टीम ने मामला दर्ज किया, मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और तीनों विदेशी नागरिकों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने 2024 में बिना पासपोर्ट या वीजा के श्रीलंका के जाफना से तमिलनाडु के रामेश्वरम तक नौका से यात्रा करके अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक अन्य विदेशी नागरिक की मदद से उन्होंने बाद में देवनहल्ली के एक अपार्टमेंट में शरण ली। पुलिस ने उनकी पहचान उजागर नहीं की है। अधिकारियों ने बताया कि सीसीबी थाने में विदेशी अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और बेंगलूरु में उनके ठहरने के उद्देश्य का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

आईटीआई लि. की यूनिटों और कार्यालयों में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आईटीआई लिमिटेड की यूनिटों एवं एमएसपी कार्यालयों में 14 से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इसके पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय में सोमवार को निदेशक-उत्पादन एवं निदेशक-मानव संसाधन (अतिरिक्त प्रभार) की अध्यक्षता में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि हास्य कवि डॉ. सुनील तरुण थे। उन्होंने सरकार की राजभाषा नीति के संदर्भ में हिंदी पखवाड़े के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए हास्य प्रस्तुतियां दीं।

अपने अध्यक्षीय भाषण में निदेशक-उत्पादन एवं निदेशक-मानव संसाधन (अतिरिक्त प्रभार) एस जयंती ने बताया कि जिस ऊर्जा के साथ हिंदी पखवाड़ा मनाया गया, उसी ऊर्जा को हमें अपने दैनिक कार्यों एवं बोलचाल में अपनाना होगा। इससे सही मायनों में हिंदी पखवाड़े का उद्देश्य सफल होगा। पखवाड़े के दौरान आयोजित की गईं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार वितरित किए। समारोह के विशिष्ट अतिथि नेटवर्क सिस्टम यूनिट के मुख्य महाप्रबंधक राजीव सक्सेना और मानव संसाधन एवं राजभाषा महाप्रबंधक साजन अब्राहम थे। कार्यक्रम का संचालन निगमित कार्यालय की राजभाषा सहायक प्रबंधक श्यामला एम ने किया।

मंगलूरु में सोने की लूट के मामले में पांच गिरफ्तार

मंगलूरु। मंगलूरु में आभूषण की दुकान के कर्मचारी के कथित अपहरण और उससे सोने की लूट के मामले में एक किशोर सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान फरिश (18), सफवान (23), अराफात अली (18), फराज (19) और एक किशोर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 26 सितंबर को कार स्ट्रीट पर वेंकटरमण मंदिर के पास घटी, जब दो हमलावरों ने स्कूटर सवार कर्मचारी मुस्तफा को रोका और कार में सवार अन्य लोगों ने उसे अंदर खींचकर उससे मारपीट की। बाद में उसके स्कूटर में रखी सोने की ईंट लूटकर कर्मचारी को एककुर में छोड़ दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जांच का उल्लेख करते हुए कहा कि लूट की यह साजिश उसी आभूषण दुकान के एक पूर्व कर्मचारी की मदद से रची गई थी और उसने (पूर्व कर्मचारी ने) पीड़ित की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी थी।

दपरे के बेंगलूरु मंडल द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

बेंगलूरु। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत, दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु मंडल के चिकित्सा विभाग द्वारा 29 सितम्बर को अनुग्रह सामुदायिक केंद्र में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और स्वैच्छिक रक्तदान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एक रक्तदाता का एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है।

मंडल रेलवे अस्पताल, बेंगलूरु की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रभावती गजलक्ष्मी ने अपने संबोधन में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व, इसकी अनुशंसित आवधिकता, रक्तदाताओं के लिए पात्रता मानदंड और रक्तदाता तथा समाज दोनों के लिए इसके लाभों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में लुईस अमुइथन, डीआईजी, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पश्चिम रेलवे; श्रेयांस चिंचवड़े, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ); डॉ. सिद्दप्पा डिंडावर और डॉ. विश्वनाथ, दोनों अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक; केशवुलु, सहायक कार्मिक अधिकारी/बेंगलूरु तथा बेंगलूरु मंडल के अन्य चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान 50 यूनिट का रक्तसंचय हुआ।

राहुल ने करूर में भगदड़ मामले पर की स्टालिन और विजय से बातचीत

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पिछले दिनों तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की घटना के बारे में जानकारी लेने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से फोन पर बात की और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय को भी फोन करके घटना में उनके समर्थकों की मौत पर संवेदना व्यक्त की। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कर राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-48
दिनांक: 20.09.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
टीपीसी/मैसूरु पर टीआरडी कर्मचारियों के लिए स्काडा ट्रेनिंग माड्यूल कम फाल्ट स्टिमुलेटर का प्रावधान।	रु. 25,90,000.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.10.2025, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-49
दिनांक: 20.09.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु - चामराजनगर विभाग, बीरूर - तालगुप्पा विभाग और संपिगे रोड - करजगी विभागों पर बंदरों का आतंक और पक्षियों का जाल के कारण कंटीले तार संपर्क का प्रावधान।	रु. 1,95,53,400.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.10.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ट्रैक्शन/मैसूरु
PUB/506/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

सांगानेर राजस्थान का महत्वपूर्ण औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता और संकल्प के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश को प्रगति की ऊंचाईयों पर पहुंचाना हमारा मुख्य ध्येय है। उन्होंने कहा कि सांगानेर न केवल जयपुर का बल्कि पूरे राजस्थान का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र है। हम सांगानेर को विकास के पायदान पर आगे खड़ा रहने की प्राथमिकता से कार्य कर रहे है। जिससे विकसित राजस्थान के संकल्प में यह क्षेत्र अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

शर्मा सोमवार को जयपुर में सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सांगानेर में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राज्य सरकार द्वारा सांगानेर में बिजली के क्षेत्र में ही लगभग 100 करोड़ रुपये के कार्य किए गए हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में 'यूनिटी मॉल', जयपुर मेट्रो, सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक एलीवेटेड रोड का निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सांगानेर को लगभग 700 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात मिलने जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत सांगानेर में विद्युत, सड़क, शिक्षा, नगरीय विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों के 529 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। साथ ही, आज सांगानेर स्टेडियम में करीब 171 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि आज लगभग 218 करोड़ से अधिक की लागत वाले गोपालपुरा बाईपास पर त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी के पास तक एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान देश का अग्रणी प्रदेश बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा आरम्भ हुआ है। सेवा पखवाड़े के तहत राज्य सरकार ने भी ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की शुरूआत की है। इन शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है तथा जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। इन शिविरों से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन शिविरों में वे अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने आस-पास के लोगों को इन शिविरों में लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार जनकल्याण को प्राथमिकता मानते हुए निरंतर निर्णय ले रही है।

इसी कड़ी में आज सांगानेर में विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीएसटी में किए गए बदलाव से आमजन को बड़ी राहत मिली है। हमारी डबल इंजन की सरकार प्रदेश को देश के अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए सामग्री वितरण एवं दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की। शर्मा ने एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले मुख्यमंत्री का आमजन ने जगह-जगह माला पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर नगरीय एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक कैलाश वर्मा, जयपुर ग्रेटर महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावट सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार जन-जन तक विकास पहुँचाने के लिए सतत प्रयासरत : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन विभाग मंत्री सुरेश सिंह रावत शनिवार को जिले की परबतसर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे, इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। माननीय जल संसाधन मंत्री रावत ने परबतसर उपखंड की ग्राम पंचायत नेतियास के ग्राम खोखरिया में आयुष्मान आरोग्य उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण एवं ग्राम पंचायत भड़सिया में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री रावत ग्राम पंचायत कालेटडा में भामाशाह गजेंद्र सिंह उदावत द्वारा उनके माता पिता की स्मृति में राजकीय विद्यालय में बनवाये गए नवीन भवन का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ व आधारभूत विकास की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। यह कार्य ग्रामीणों की जीवनशैली में सुधार और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जन-जन तक विकास पहुँचाने के लिए सतत प्रयासरत है। राज्य सरकार आमजन के बुनियादी सुविधाओं सहित सभी मूलभूत कार्यों को तत्परता से कर रही हैं।

मंत्री रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुँचाने और जनता को मजबूत आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भाजपा नागौर देहात जिलाध्यक्ष श्रीमती सुनीता माहेश्वरी जी, पूर्व विधायक मानसिंह , नगर पालिका परबतसर चेयरमैन ओमप्रकाश सेन, नेतियास सरपंच नाथूराम वैष्णव भड़सिया सरपंच श्रीमती रेखा कंवर सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

निजी आवासीय छतों पर होगी सब्ज़ी की खेती, जयपुर में शुरू हुई 'स्मार्ट सिटी रूफ टॉप फार्मिंग परियोजना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय उद्यानिकी नवाचार एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईएसआईटीसी), दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा नगर निगम क्षेत्र में स्थित निजी आवासों की छतों पर सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'स्मार्ट सिटी रूफ टॉप फार्मिंग परियोजना' की शुरुआत की गई है। इस योजना के अंतर्गत केवल जयपुर नगर निगम क्षेत्र के निजी आवासीय भवनों के स्वामी ही आवेदन कर सकते हैं। वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान या अन्य गैर-आवासीय भवन इस योजना के अंतर्गत पात्र नहीं होंगे।

रूफ टॉप यूनिट निर्माण की कुल अनुमानित लागत 53 हजार 619 रूपए है। इसमें से 70 प्रतिशत(37हजार 534 रूपए) की राशि अनुदान के रूप में सरकार द्वारा वहन की जाएगी जबकि शेष 30 प्रतिशत (16 हजार 085 रूपए) राशि लाभार्थी को स्वयं वहन करनी होगी।

परियोजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया ऑफलाइन रहेगी और आवेदन पत्र संस्थान के कार्यालय से ही प्राप्त किए जा सकेंगे। योजना के दिशा-निर्देश, पात्रता की शर्तें तथा आवेदन पत्र का प्रारूप आईएसआईटीसी, दुर्गापुरा, जयपुर से प्राप्त किया जा सकता है। अधिक जानकारी हेतु दूरभाष संख्या 9636839317 पर कार्यालय समय में संपर्क किया जा सकता है।

अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में जुटी राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन की प्रत्येक समस्या का समाधान करने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को पूरा करने में जुटी हुई है तथा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई भी इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से आमजन संतुष्ट नजर आए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से करें तथा नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई हो। शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें।

शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

नीलाम खनिज ब्लॉकों के मंशापत्रधारक आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए जरूरी औपचारिकताएं प्राथमिकता से पूरी करें : रविकान्त

जयपुर। प्रमुख सचिव खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने ऑक्शन ब्लॉकों के मंशापत्रधारकों से ऑक्शन खानों को जल्द परिचालन में लाने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं प्राथमिकता से पूरी करने को कहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए आवेदन ही ना करने या आधीअधूरी औपचारिकताएं पूरी करने से खानों को परिचालन में लाने में अनावश्यक देरी होती है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त सोमवार को खनिज भवन में 13 संस्थाओं के 22 मंशापत्रधारकों के प्रतिनिधियों की बैठक रखी। वे उपस्थित प्रतिनिधियों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑक्शन ब्लॉकों को जल्द परिचालन में लाना केन्द्र व राज्य सरकार दोनों की प्राथमिकता है और इसके लिए गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं। विभाग द्वारा वरिष्ठ अधिकारी अधीक्षण खनि अभियंता सतर्कता को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय समय पर आयोजित बैठकों में नीलाम खनिज ब्लॉकों को जल्द परिचालन में लाने के निर्देश देते रहे हैं। नीलाम खानों के परिचालन में आने से माइनिंग सेक्टर में निवेश के साथ ही रोजगार ओर राजस्व बढ़ोतरी के अवसर उपलब्ध होंगे।

गौरतलब है कि मेजर मिनरल ब्लाकों के ऑक्शन में राजस्थान समूचे देश में अव्वल प्रदेश बन गया है। अब केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा इन ब्लॉकों में खनन कार्य जल्दी कराने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने मंशापत्रधारकों द्वारा आवश्यक अनुमतियों के लिए आवेदन ही ना करने या फिर आधे अधूरे दस्तावेजों के साथ आवेदन करने पर गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि माइनिंग ब्लॉकों के ऑक्शन का प्रमुख उद्देश्य जल्द से जल्द परिचालन में लाना है।

डबल इंजन की सरकार खेल विकास और युवा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और उद्योग,युवा एवं खेल राज्य मंत्री के.के बिश्नोई ने सोमवार को आदर्श बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सिवाना (बालोतरा) में 69 वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी हॉकी खेलकूद प्रतियोगिता (14 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग) का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पटेल ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार खेल विकास और युवा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा 250 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा नवीन स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस यह विश्वविद्यालय उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में प्रदेश की प्रतिभाओं को निखारने का काम करेगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा राज्य सरकार ने खेलो एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए 475 करोड़ रुपये के बजट के साथ राजस्थान खेल आधुनिकीकरण मिशन,स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं का 25 लाख रुपये तक का दुर्घटना एवं जीवन बीमा का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा खेल अवसंरचना विकास की दिशा में जयपुर में 100 करोड़ रुपये के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स भी स्थापित, 25-25 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर, भरतपुर एवं उदयपुर में बालिकाओं के लिए रेजिडेंशियल गर्ल्स स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और 5 हजार से अधिक जनसंख्या वाली 3 हजार 500 ग्राम पंचायतों में ओपन जिम की स्थापना की जा रही है। पटेल ने कहा प्रदेश सरकार ने पेपर लीक माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही कर युवाओं के हितों को सुरक्षित किया गया है। उन्होंने कहा 5 वर्ष में 4 लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। विभिन्न रोजगार उत्सवों के माध्यम से अब तक 91 हजार युवाओं को नियुक्ति दी गई है ।

प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कानून का राज और अपराधियों पर कड़ा प्रहार राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज में शांति और सुरक्षित वातावरण में ही विकास संभव है। हमारी सरकार ने राज्य में पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, जिससे आमजन को भयमुक्त वातावरण मिल सके।

शर्मा सोमवार को नारायण विहार सहित 3 नवीन थानों के शुभारम्भ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल पुलिस भवन का लोकार्पण नहीं, बल्कि आमजन के लिए सुरक्षित प्रदेश बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आते ही एन्टी गैंगस्टर टास्क फोर्स तथा पेपरलीक प्रकरणों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध नियंत्रण और प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा प्रभावी पुलिसिंग के लिए 2 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और 2 पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय की स्थापना, 22 नए पुलिस थानों का सृजन, 8 पुलिस चौकियों का थाने में क्रमोन्नयन, 35 नई पुलिस चौकियां खोलने की स्वीकृति सहित विभिन्न निर्णय लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि अपराध शाखा के अतिरिक्त महानिदेशक के नेतृत्व में एंटी गैंगस्टर्स टास्क फोर्स का गठन तथा एंटी नारकोटिक्स टास्क फार्स के गठन के लिए जयपुर मुख्यालय में एक नया थाना और 9 नई चौकियों की स्थापना के लिए 255 पद सृजित किए गए हैं।

भजनों व गीतों की धुन पर 'नवरात्रि डांडिया नाइट' में युवा वर्ग जमकर थिरका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन व युवा संघ द्वारा किंग्स कोर्ट हॉल में 'नवरात्रि डांडिया नाइट-2025' का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में युवा वर्ग ने भाग लिया। कार्यक्रम पैलेटिनम प्रायोजक वेंकटेश्वरा पेपर एजेंसी के वेणुगोपाल अनीता बजाज परिवार सहित अन्य प्रायोजकों ने संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी, युवा संघ के अध्यक्ष विवेक भूतड़ा, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भगवान दास लाहोटी, माहेश्वरी सौहार्द को-आपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन गोपाल दास इनानी, महिला संगठन की सचिव निर्मला काँकाणी, युवा सचिव निखिल सोनी ने मिलकर माँ जगदम्बा की पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीजे के संगीत व प्रियंका घई के भजनों पर बड़ी संख्या में उपस्थित युवा वर्ग सहित पुरुष व महिलाओं ने गरबा व डांडिया रास का खूब आनंद उठाया। प्रतियोगिता के निर्णायक परिंदा व कल्पेश् ने आकर्षक वेश भूषा, सर्वोत्तम डांडिया नृत्य करने वाले कुल 30 प्रतिभागियों का चयन कर कोकोनट किचन एंड होम स्टीलनेस द्वार की ओर से पुरस्कार दिए गए। पंचकेसरी ज्वेलर्स द्वारा लक्की ड्रा के विजेताओं को इनाम दिए गए।

प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' ही विकसित भारत की आधारशिला : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'पंच प्रण' ही विकसित भारत की आधारशिला है। योगी 17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत सोमवार को मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व ओडिशा के प्रतिभागियों से संवाद कर रहे थे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के 'पंच प्रण' की चर्चा की और कहा कि यह विकसित भारत की आधारशिला बनेंगे। इस दौरान खेल व युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद रहे। 25 सितंबर से शुरू हुआ यह कार्यक्रम एक अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में युवाओं का स्वागत व अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा, यह पहल न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच है, बल्कि देश की एकता, अखंडता और विविधता में निहित एकता की भावना को सशक्त करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, आज लखनऊ में देश भर के लगभग 200 नौजवान इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए हमें पूरे देश को देखने, समझने और एक-दूसरे के साथ अपनी संस्कृति को साझा करने का अवसर भी प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि भले ही अलग अलग राज्यों व क्षेत्रों की बोली-भाषा में थोड़ा अंतर हो, लेकिन पूरे भारत की भाव-भंगिमा एक है।

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों के सामने विकसित भारत का बड़ा विजन रखा है और भारत तब विकसित होगा, जब हर देशवासी के मन में विकसित होने का संकल्प होगा और वे इसे अपने जीवन का मंत्र बनाएंगे।

योगी ने कहा, कांदला, कालाहांडी, सिंहभूमि, गडचिरोली, कांकेर, नारायणपुर, बालाघाट हो या बीजापुर, जब यह सभी विकसित होंगे तो भारत विकसित होगा। जब देश विकसित होगा तो 140 करोड़ भारतवासियों की आशा और आकांक्षा के अनुरूप हमें विकास हर जगह देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने मोदी के 'पंच प्रण' का जिक्र किया और कहा कि हर भारतवासी के मन में पंच प्रण आना चाहिए और हमारे मन में विरासत पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सामाजिक एकता यानी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'नेशन फर्स्ट' के इस अभियान के साथ हम सभी जुड़कर कार्य करेंगे और सामाजिक एकता का यह भाव हर भारतीय के मन में होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी की शुभकामनाएं भी दीं।

पश्चिम बंगाल : महासप्तमी के साथ दुर्गा पूजा की औपचारिक शुरुआत हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सोमवार को आसमान में बादल छाए रहने, उमस और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद दुर्गा पूजा को लेकर उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गयी तथा लोगों ने पारंपरिक ढंग और श्रद्धा के साथ महासप्तमी मनायी। नदी के किनारे पर्व पर किए जाने वाले स्नान से लेकर पंडालों तक लोगों की लंबी कतार देखने को मिली। महासप्तमी के साथ ही दुर्गा पूजा उत्सव पूर्ण रूप से शुरू हो गया। इस दौरान भक्ति और उल्लास साथ देखने को मिलते हैं और इस माहौल की अन्य किसी से अवसर से तुलना नहीं की जा सकती।

सूर्योदय के साथ ही हुगली के घाट और बंगाल भर के तालाब शंखों की ध्वनि और ढाक (ढोल) की थाप से गूंज उठे, क्योंकि पुजारी 'नवपत्रिका' को स्नान करा रहे थे।

एशिया कप में भारत की जीत के बाद लगता है कांग्रेस बेहोश हो गई है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत के बाद विपक्षी पार्टी संभवत: 'बेहोशी की हालत' में चली गई है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर हमारी राष्ट्रीय टीम को टूर्नामेंट में तीन बार पाकिस्तान को हराने और एशिया कप जीतने के लिए बधाई देने वाला एक भी पोस्ट नहीं आया।'' उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत ने राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस को बेहोशी की हालत में पहुंचा दिया है। मालवीय ने आरोप लगाया, ''जैसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब वे भारतीय सेना को बधाई देने के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाए, वैसे ही अब वे भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने में राष्ट्र के साथ शामिल होने से पहले मोहसिन नकवी और पाकिस्तान में अपने अन्य आकाओं से अनुमति का इंतजार करते दिख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''एक बार फिर पाकिस्तान, राहुल गांधी और कांग्रेस एक ही तरफ नजर आ रहे हैं।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान पर जीत के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ प्रतीकात्मक तुलना करते हुए बधाई दी थी। 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में मोदी ने लिखा, ''खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर! नतीजा वही है – भारत जीतता है!'' महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सकपाल ने नागपुर में प्रधानमंत्री की टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने कहा, ''यह पहली बार नहीं है जब भारत ने एशिया कप जीता है। हमें अपनी टीम की जीत पर गर्व है, लेकिन प्रधानमंत्री की नीति हर चीज का ध्रुवीकरण करने की है, चाहे वह हवा हो, पानी हो या खेल ही क्यों न हो।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ''राष्ट्र की गरिमा का ध्यान नहीं रखते'', जिसका अंदाजा ''ऐसे जश्न के मौकों पर उनके बयानों से लगाया जा सकता है।''

वरिष्ठ कांग्रेस नेता नसीम खान ने भाजपा पर हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''जिस तरह से पड़ोसी देश ने हाल के दिनों में हमारे नागरिकों के साथ व्यवहार किया है, उन्होंने हमारी महिलाओं के 'सिंदूर' मिटा दिए, कम से कम हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिए था...भारतीय टीम ने हमेशा समर्पण के साथ प्रदर्शन किया है और देश का सम्मान बढ़ाया है... हर चीज का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।'' महाराष्ट्र भाजपा के मीडिया प्रमुख नवनाथ बान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए देश पहले है, जबकि कांग्रेस के लिए ''पाकिस्तान पहले है''। बान ने कहा कि कांग्रेस भारत की जीत से खुश नहीं दिखी और ''पाकिस्तान की हार से ज्यादा दुखी'' लग रही थी। प्रधानमंत्री की तुलना का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक है और आतंकवादियों को करारा जवाब है।'' भाजपा नेता ने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री मोदी ने ''सैनिकों की वीरता और खिलाड़ियों की उपलब्धियों'' को प्रभावी ढंग से जोड़ा है और इसे 'नए भारत' का प्रतीक बताया है। बान ने कहा, ''भारत हमेशा खेल भावना से खेलता है, लेकिन ताकत और ईमानदारी से जीतता है।''

ओडिशा मंत्रिमंडल ने 2,200 प्राथमिक स्कूल स्थापित करने की योजना के लिए 12,000 करोड़ रुपए मंजूर किए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा मंत्रिमंडल ने गोदावरीश आदर्श विद्यालय (जीएवी) योजना के तहत 2025-26 से तीन वर्षों में 2,200 प्राथमिक विद्यालय स्थापित करने के लिए 12,000 करोड़ रुपए के परिव्यय को सोमवार को मंजूरी दी। यह जानकारी मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दी।

माझी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 226 करोड़ रुपए की लागत से क्योंझर जिले के घाटगांव में मां तारिणी मंदिर के सौंदर्यीकरण सहित तीन अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएवी योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक आदर्श प्राथमिक विद्यालय विकसित किया जाएगा। ओडिशा की पूर्ववर्ती बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया, ''पूर्ववर्ती सरकार के 24 साल के शासन में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई थी। उन्होंने 5टी परिवर्तन के नाम पर विद्यालयों की टूटी-फूटी दीवारों पर सिर्फ रंग-रोगन किया।'' 5टी पहल बीजू जनता दल (बीजद) सरकार का एक शासन मॉडल था, जो टीमवर्क, ट्रांसपैरेंसी (पारदर्शिता), टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी), टाइम (समय) और ट्रांसफॉर्मेशन (परिवर्तन) पर केंद्रित था। माझी ने बताया कि राज्य में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने जीएवी योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि जीएवी योजना का उद्देश्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के उद्देश्यों के अनुरूप समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देते हुए पंचायत स्तर पर आदर्श विद्यालय स्थापित करना है।

कांग्रेस-राजद ने पिछड़ा-अति पिछड़ा समाज को ठगा : प्रेम कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार सरकार के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर पिछड़े एवं अति पिछड़े समाज को ठगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भी दोनों दल सत्ता में रहे तो उन्होंने न इस समाज को अधिकार दिया और न सम्मान।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कुमार ने राजद के 'कर्पूरी अतिपिछड़ा अधिकार सम्मेलन' पर निशाना साधते हुए दावा किया कि इस कार्यक्रम में तेली, कानू, दांगी और चौरासिया जातियों के लिए प्रवेश पर रोक लगा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि तेली समाज से राजद के वरिष्ठ नेता एवं 'बिहार तैलिक साहू समाज' के अध्यक्ष, विधायक रणविजय साहू और कानू समाज के नेता एवं राजद व्यावसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता को इस कार्यक्रम से लौटा दिया गया। उन्होंने कहा, यही है उनका अतिपिछड़ा अधिकार मॉडल।'' कुमार ने कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव आज 'जननायक' के नाम पर अतिपिछड़ा समाज का वोट लेने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनके पिता लालू प्रसाद यादव कर्पूरी ठाकुर का हमेशा अपमान करते रहे।

भाजपा नेता ने दावा किया, ''लालू यादव ने कर्पूरी बाबू को 'कपटी ठाकुर' कहा था और उनके नाम पर एक भी ठोस काम नहीं किया, जबकि राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार ने उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया और पिछड़ा आयोग को संवैधानिक मान्यता दी।''कुमार ने कहा कि राजग सरकार बिहार का पहला कौशल विश्वविद्यालय कर्पूरी ठाकुर के नाम पर स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा, ''अतिपिछड़ा कल्याण बजट में 44 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। 2022 में अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) आयोग का गठन हुआ। सभी जिलों में कर्पूरी ठाकुर छात्रावास स्थापित कर शिक्षा और छात्रवृत्ति की सुविधा दी गई।''

कुमार ने कहा, ''पिछले 20 वर्षों से बिहार सरकार और 11 वर्षों से मोदी सरकार दृढ़ संकल्प के साथ पिछड़ा-अति पिछड़ा समाज को सशक्त कर रही है। महागठबंधन के चुनावी मेढ़क चुनाव आते ही पिछड़ा-अतिपिछड़ा समाज के कल्याण का राग अलापने लगते हैं।''

कांग्रेस का प्रधानमंत्री पर कटाक्षः जीत के करीब हों तो थर्ड अंपायर कहने पर युद्धविराम नहीं करते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से यह सीखने की जरूरत है कि जब जीत के करीब हों, तो किसी थर्ड अंपायर के कहने पर अच्छे कप्तान युद्धविराम नहीं करते। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम की जीत के बाद कहा था कि खेल के मैदान में भी 'ऑपरेशन सिंदूर' हुआ और इसमें भी भारत ने जीत हासिल की।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने उनकी इस टिप्पणी को लेकर कटाक्ष करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' प्रधानमंत्री जी, पहली बात तो एक क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध के मैदान से करना ठीक नहीं है। दूसरी बात, अगर आपने तुलना कर ही दी तो आपको भारतीय टीम से यह सीखने की ज़रूरत है कि जब जीत के करीब हों, तो किसी थर्ड अंपायर के कहने पर अच्छे कप्तान सीज़फायर नहीं करते।'' खेड़ा के कटाक्ष का आशय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई बार किए गए इस दावे से था कि इस साल मई महीने में भारत और पाकिस्तान के पीछे युद्धविराम करवाया। भारत सरकार का कहना रहा है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के संपर्क किए जाने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार किया गया।

युद्ध अब महीनों में नहीं, घंटों और सेकंडों में मापा जाता है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि युद्ध अब ''महीनों में नहीं, बल्कि घंटों और सेकंडों में मापा जाता है'', क्योंकि उपग्रह, ड्रोन और सेंसर संघर्ष की प्रकृति को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

उन्होंने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) से एक ऐसा भविष्योन्मुखी रोडमैप विकसित करने का आग्रह किया जो नई चुनौतियों का पूर्वानुमान लगा सके, अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत कर सके और रणनीतियों को लगातार अनुकूलित कर सके। यहां बल के मुख्यालय में आयोजित 42वें आईसीजी कमांडर सम्मेलन में अपने संबोधन में, सिंह ने यह भी रेखांकित किया कि साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अब काल्पनिक खतरे नहीं हैं, बल्कि वर्तमान की हकीकत हैं। उन्होंने कहा, ''कोई राष्ट्र मिसाइलों से नहीं, बल्कि हैकिंग, साइबर हमलों और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के जरिए हमारे सिस्टम को पंगु बनाने की कोशिश कर सकता है।

आईसीजी को ऐसे खतरों से बचाव के लिए अपने प्रशिक्षण और उपकरणों को लगातार अनुकूलित और उन्नत करना होगा। प्रतिक्रिया समय को सेकंडों में कम करने और हर समय तत्परता सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित निगरानी नेटवर्क और एआई-सक्षम प्रणालियां आवश्यक हैं।''

वैचारिक लड़ाई हारने वाले लोग राहुल को चुप कराने के लिए रच रहे 'साजिश' : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पूर्व नेता द्वारा राहुल गांधी पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला जारी रखते हुए कहा कि जो लोग वैचारिक लड़ाई हार रहे हैं और जिनकी चोरी उजागर हो गई है, वे विपक्ष के नेता को चुप कराने के लिए साजिश रच रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने आरएसएस की छात्र इकाई एबीवीपी के पूर्व नेता प्रिंटू महादेव द्वारा राहुल गांधी को दी गई जान से मारने की भयावह और जघन्य धमकी का उल्लेख करते हुए यह कहा। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को कहा, भाजपा के एक प्रवक्ता ने टीवी पर कहा कि 'राहुल गांधी के सीने में गोली मार दी जाएगी' और उस प्रवक्ता पर कोई कार्रवाई भी नहीं की गई।

खेड़ा ने कहा, इससे पहले सीआरपीएफ ने (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन) खरगे जी को राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर एक पत्र लिखा था और उसे लीक कर दिया गया था। उनकी सुरक्षा का राजनीतिकरण क्यों किया जा रहा है और ऐसा माहौल क्यों बनाया जा रहा है। खेड़ा ने कहा कि इसमें किसी साज़िश की बू आ रही है। उन्होंने सवाल किया कि यह साज़िश कौन रच रहा है? कांग्रेस नेता ने दावा किया, ये वही लोग हैं जो वैचारिक लड़ाई हार रहे हैं, जिनके पास विरोधी विचारों को हराने के लिए विचारों के हथियार नहीं हैं। इस साज़िश का पर्दाफ़ाश होना ज़रूरी है। पहले आपने राहुल गांधी को गालियों से चुप कराने की कोशिश की और अब उन्हें गोलियों से धमका रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों का भी ज़िक्र किया।

एशिया कप का फाइनल भारत, पाक खिलाड़ियों के बीच तनातनी का मुकाबला बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय टीम एशिया कप चैंपियन बनीं लेकिन पूरे टूर्नामेंट में टीम के शानदार प्रदर्शन की जगह भारत और पाकिस्तान के बीच मैदान पर अपेक्षित सौहार्द की जगह तनातनी ने सुर्खियां बटोरी जहां दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच के दौरान और इसके बाद आक्रामक रवैया दिखाया। यह टूर्नामेंट शुरू से ही तनावपूर्ण रहा और फाइनल तक माहौल और गर्मा गया। भारत ने रविवार को रोमांचक फाइनल में पांच विकेट से जीत दर्ज की।

इस टकराव की शुरुआत उस समय हुई जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले और भारतीय सुरक्षाबलों के समर्थन में पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। फाइनल आते-आते यह पूरी तरह एक दूसरे के खिलाफ टकराव जैसी स्थिति में बदल गया। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 18वें ओवर में एक शानदार यॉर्कर से हारिस रऊफ को बोल्ड किया और इसका जश्न सुपर चार चरण में रऊफ के 'विमान गिरने' के इशारे की नकल कर बनाया। बुमराह के जश्न मनाने का यह तरीका तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रऊफ ने इस हरकत से भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का मजाक उड़ाया था। भारतीय सेना ने पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या के बाद पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक सैन्य अभियान चलाया था। फाइनल में रऊफ के विकेट उखाड़ने के बाद बुमराह की यह प्रतिक्रिया उसी मजाक उड़ाने की कोशिश का करारा जवाब था। भारत ने बेहद तनावपूर्ण माहौल में खेले गये फाइनल मैच में कई बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए यादगार जीत दर्ज की। टीम ने हालांकि पाकिस्तान के गृह मंत्री और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से विजेता ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। पुरस्कार समारोह लगभग एक घंटे की देरी से शुरू हुआ और विजेता टीम को ट्रॉफी दिये बिना खत्म हो गया। नकवी पुरस्कार समारोह के दौरान मंच से उतरने को तैयार नहीं थे और भारतीय खिलाड़ी उनके हाथों पुरस्कार नहीं लेना चाहते थे। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रॉफी की 'इमोजी' के साथ जीत का जश्न मनाया। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप सिंह, जितेश शर्मा और हर्षित राणा ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद की 'सिर से पवेलियन जाने के इशारे' जैसे जश्न की नकल की। अबरार ने संजू सैमसन को आउट करने के बाद इस तरह का इशारा किया था। वरुण चक्रवर्ती ने एक चाय के कप की तस्वीर साझा की, जो ट्रॉफी और विजेता पदक का प्रतीक था। पूरे टूर्नामेंट के दौरान दोनों टीमों के बीच तनाव साफ महसूस किया जा सकता था। भारत की 'हाथ ना मिलाने' की नीति पाकिस्तान के खेमे को रास नहीं आई और उन्होंने इसके लिए जिम्बाब्वे के मैच रेफरी एंडी पाइक्राफ्ट को दोषी ठहराया।

वे काफी कुछ कह रहे थे, मैं बस बल्ले से जवाब देना चाहता था : तिलक

दुबई/भाषा। तिलक वर्मा एशिया कप के फाइनल के दौरान जब क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया।

शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और काफी दबाव वाली परिस्थितियों में कमाल की बल्लेबाजी की। तिलक ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' पर टीम के साथी खिलाड़ी शिवम दुबे के साथ बातचीत में कहा, ''मैं बल्ले से जवाब देना चाहता था वे बहुत सारी बातें कह रहे थे और मैं सिर्फ अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। अब वे मैदान पर दिखाई नहीं दे रहे हैं।'' दुबे और तिलक के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी ने भारत को दो गेंद शेष रहते एशिया कप जिताने में मदद की। तिलक 53 गेंदों पर 69 रन बनाकर नाबाद रहे। दुबे ने इसके बाद हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ''मुझे लगता है कि मेरे बल्ले ने भी बात की, उनके पास मुझे कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था'' तिलक ने कहा कि स्टेडियम के माहौल ने उन्हें इतने बड़े मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सुविचार

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब होगा भीड़ प्रबंधन में सुधार?

तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख विजय की रैली में भगदड़ से 40 से ज्यादा लोगों की मौत होने की घटना अत्यंत दु:खद है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि उत्साह और खुशियों का माहौल अगले ही पल मातम में बदल जाएगा। देश में हर साल भगदड़ की घटनाएं हो रही हैं। इन पर टीवी डिबेट होती हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट चलती हैं, 'किसी को बख्शा नहीं जाएगा' – जैसे बयान सुनने को मिलते हैं, आरोप-प्रत्यारोप के दौर चलते हैं, मुआवजा बंटता है। उसके बाद बात आई-गई हो जाती है। फिर किसी भगदड़ का इंतजार किया जाता है। क्या आम आदमी की जान की इतनी ही कद्र है? क्या सरकारों को ऐसी घटनाओं से सबक लेकर कुछ ठोस कदम नहीं उठाने चाहिएं? आज सरकारों के पास तकनीकी साधनों की कमी नहीं है। क्या वे भीड़ प्रबंधन को बेहतर नहीं बना सकतीं? बार-बार आम आदमी ही पिसता और मरता है। आखिर सरकारें कब जागेंगी और कब लोगों की सुध लेंगी? कुछ राजनेताओं ने तो चुनावी राजनीति को ही सबकुछ समझ लिया है। वे तस्वीरों और वीडियो में भीड़ दिखाकर वाहवाही पाना चाहते हैं कि यह है हमारा जलवा! आम आदमी की फिक्र कौन करे? बेशक लोकतंत्र में चुनावी रैलियों का महत्त्व है। ऐसे आयोजनों से राजनीतिक समझ बढ़ती है और जनमत का निर्माण होता है। देश की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करने के लिए ऐसी रैलियां बहुत बड़ा माध्यम साबित हो सकती हैं। राजनेताओं और पार्टियों को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि सिर्फ भीड़ जुटाने पर जोर न रहे।

लोगों की जान आपके चुनाव प्रचार से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। जो परिवार ऐसे आयोजनों में अपने सदस्यों को गंवाते हैं, क्या उनकी भरपाई संभव है? राजनेताओं को ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाकर अपनी लोकप्रियता का प्रदर्शन करने से कुछ परहेज करना चाहिए। आयोजन स्थल की जितनी क्षमता हो, उससे कम ही भीड़ इकट्ठी करें। अपने निमंत्रण पत्रों और सोशल मीडिया पोस्ट्स में इस बात का साफ उल्लेख करना चाहिए कि हमारे लिए वोट से ज्यादा जरूरी आपका जीवन है, इसलिए आयोजन स्थल की क्षमता से ज्यादा लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जो लोग वहां न आ सकें, वे सोशल मीडिया पर भाषण सुन सकते हैं। चुनावी रैलियों में पार्टियों एवं राजनेताओं के झंडे, पोस्टर, बैनर के साथ-साथ ताजा हवा, पानी और प्राथमिक चिकित्सा जैसे इंतजाम जरूर करने चाहिएं। पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस और दमकल की व्यवस्था करना न भूलें। यह सोचकर अति-आत्मविश्वास नहीं पालना चाहिए कि पिछली रैलियों में कोई हादसा नहीं हुआ था तो आगे भी नहीं होगा। प्राय: भीड़ में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनका पूरा जोर व्यवस्था बिगाड़ने पर होता है। वे धक्का-मुक्की करते हैं, हुड़दंग का माहौल बनाते हैं, चीखते हुए ऐसी हरकतें करते हैं कि अन्य लोग भी उनके उकसावे में आएं। इसके बाद एक सिलसिला बन जाता है और व्यवस्था इस तरह बेपटरी होती है कि रंग में भंग पड़ जाता है। ऐसे लोगों पर सीसीटीवी कैमरों और ड्रोनों आदि से नजर रखनी चाहिए। उन्हें फौरन बाहर निकाल देना चाहिए। उनकी गलत हरकतों की कीमत अन्य लोग क्यों चुकाएं? हाल के वर्षों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़ की कई घटनाओं में ऐसे लोगों की भूमिका रही, जिन्होंने आगे बढ़ने के लिए धक्का-मुक्की करते हुए व्यवस्था बिगाड़ी थी। जब एक बार भगदड़ मच जाती है तो उसे तुरंत रोकना बहुत मुश्किल होता है। उस समय हर कोई अपनी जान की परवाह करता है। पैरों तले कौन है, इसकी ओर ध्यान नहीं जाता। सरकारों को इन घटनाओं से सबक लेते हुए ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण करना चाहिए, जहां न तो कोई भगदड़ मचे और न किसी की जान जाए।

ट्वीटर टॉक

माँ दुर्गा के आठवें स्वरूप माँ महागौरी की आराधना के पावन अवसर दुर्गा अष्टमी पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। मां महागौरी आप सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य, समृद्धि और ऐश्वर्य का संचार करें।

–वसुंधरा राजे

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र हेतु 170 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस अवसर पर क्षेत्र की जनता को विकास कार्यों की उपयोगिता तथा दूरगामी लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

–भजनलाल शर्मा

विद्याधर नगर विधानसभा स्थित ग्रेटर नगर निगम उपायुक्त कार्यालय,मुरलीपुरा में आयोजित शहरी सेवा शिविर 2025 का शुभारंभ कर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनी और त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

कल्पना-साहस का जीवन

जीवन के शुरुआती दौर में चार्ली चैपलिन की दुनिया केवल दो लोगों तक सीमित थीउनकी मां और बड़े भाई। परिवार बेहद कठिन समय से गुजर रहा था। वे गिरजाघरों की सहायता पर निर्भर थे और कई बार शो की टिकटें बेचकर ही गुज़ारा होता था। सिडनी स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ चैपलिन अख़बार भी बेचते थे, फिर भी जरूरतें पूरी नहीं हो पाती थीं। चैपलिन के अनुसार, जीवन में सबसे बुरी चीज़ है ऐशो-आराम की लत। उनकी मां हाना ने उन्हें सिखाया कि जब जेब खाली हो, तब भी मन और कल्पना से जीवन को रंगीन बनाया जा सकता है। वे खिड़की पर बैठकर राह चलते लोगों को देखकर उनके हावभाव से चरित्र गढ़तीं, कहानियां सुनातीं, और कभी-कभी उनकी नकल भी करतीं। यही कल्पनाशक्ति और अभिनय कला चैपलिन के व्यक्तित्व में उतर आई। चैपलिन मानते थे 'जिंदगी खूबसूरत हो सकती है, अगर आप इससे डरें नहीं। ज़रूरत है बस थोड़े से पैसों, थोड़े से साहस और ढेर सारी कल्पना की।' उनकी एक अमूल्य सीख आज भी प्रेरणा देती है 'अगर आप नीचे देखेंगे, तो कभी भी इंद्रधनुष नहीं देख पाएंगे।

सामयिक

भीड़, हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बेंगलूरु में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ जांच समिति' और मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है। आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

नजरिया

गांधीजी : नर में नारायण की व्यथा

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

गांधीजी को लेकर कुछ कहना आसान नहीं है। गांधीजी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं थे, वह कई संस्थाओं के समुच्चयीकृत रूप थे। उनके कृतित्व-व्यक्तित्व के इतने वैविध्यपूर्ण आयाम हैं कि उनको लेकर विमर्श की पृष्ठभूमि का निर्माण अत्यन्त चुनौतीपूर्ण है। गांधीजी ने सन 1925 में एक पुस्तक लिखी थी-'द स्टोरी ऑफ माइ एक्सपेरीमेंट विद ट्रुथ'! यह उनकी आत्मकथा है। आज यह भारत की हर भाषा में उपलब्ध हैं। इसकी रोशनी में देखने पर वह जन्मजात महान नहीं थे। महात्मा की सीमा तक पहुंचना उनकी शून्य से शिखर की यात्रा है। उनका बचपन एकदम सामान्य था। पोरबन्दर में बीते आरम्भिक दिनों के विषय में उन्होंने लिखा है, वह किसी पाठशाला में भरती कराए गए थे। तब थोड़े से अक्षर गिनती जानने के साथ उन्होंने दूसरे लड़कों के साथ अपने शिक्षक को गाली देना सीखा था। बाद में सात साल की उम्र में राजकोट की ग्रामशाला में उनका नाम लिखाया गया। मिडिल स्कूल तक पहुँचने में वह बारह साल के हो गए थे। तब वह बेहद शर्मीले थे। उन्होंने किसी को मित्र नहीं बनाया था। वह अत्यन्त साधारण श्रेणी के विद्यार्थी थे। स्कूल से छुट्टी होने पर वह घर की तरफ भाग लेते थे। क्योंकि उनको डर लगता था, कोई मजाक न उड़ाने लगे!

तेरह साल की उम्र में उनका विवाह हो गया था। इस बीच वह 'श्रवण-पितृभक्ति' नाटक की किताब पढ़ चुके थे। 'सत्यवादी हरिश्चंद्र' नाटक भी देख लिए थे, जिसके फलस्वरूप उनके अन्दर पिता के प्रति सेवा भावना और सत्य पर गहरी निष्ठा का बीजारोपण हो चुका था। जन्मजात गुण की बात पर यह कह सकते हैं कि वह धोखेबाज नहीं थे। कभी जाने-अनजाने विश्वास तोड़ने वाली कोई बात हो जाती तो पश्चाताप से बेचैन हो जाते थे। चौदह-पन्द्रह साल की उम्र तक वह चोर, भूत, साँप आदि से बहुत डरते थे। अँधेरे में कहीं जाना उनके लिए बड़ा मुश्किल होता था। ऊपर से यह और शर्म की बात थी कि उनकी पत्नी कस्तूरबाई निडर थीं। अँधेरे-उजाले में समान भाव से बेधड़क आ-जा सकती थीं। मित्रों के कहने से बलवान और साहसी बनने के लिए उन्होंने मांसाहार करना शुरू किया। इस कृत्य में उनके एक बड़े भाई भी शामिल थे। मांसाहार के चलते उन पर करीब पच्चीस रुपये का कर्ज हो गया था। उसकी अदायगी के लिए भाई के हाथ में पहने सोने के कड़े से एक तोला सोना निकाला गया था। किसी को कानों कान खबर नहीं हुई। किन्तु इसमें छिपी बुराई से वह इतने आहत हो उठे कि पूरा वाकया कागज पर लिखकर माफीनामा के रूप में पिता के सामने पेश कर दिया था। इसे पढ़कर पिता ने जिस ग्लानि और हताशा के भाव से उनको माफ किया था, उसे वह ताजिंदगी नहीं भूले।

सन 1887 में गांधीजी ने मैट्रिक की परीक्षा पास की। आगे की पढ़ाई के लिए भावनगर के शामलदास कालेज में दाखिला लिये। यहाँ उनका प्रदर्शन अत्यन्त निम्न था। किसी तरह एक सत्र पूरा करके घर आ गए। कुटुम्ब के पुराने ब्राह्मण मित्र मावजी दवे की सलाह से बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड जाने का फैसला हुआ। माँ को मांस, परस्त्री और मदिरा को लेकर आशंका थी। आखिर परिवार के आदरणीय जैन साधु बेचरजी स्वामी ने उन्हें इन चीजों से दूर रहने की प्रतिज्ञा दिलाई, तब माँ की तरफ से सहमति मिली। आखिर 1888 में सितम्बर की 4 तारीख को उनका जहाज बम्बई बंदरगाह से आगे बढ़ा।

जूनागढ़ के वकील त्र्यम्बकराय मजूमदार के अलावा जहाज पर सभी अंग्रेज थे, जिनके साथ गांधीजी वार्तालाप में बहुत असहज महसूस करते थे। मजूमदार उनको समझते थे कि वकील की जबान खूब चलनी चाहिए, किन्तु अठारह साल के मोहनदास करमचंद गांधी का सोया हुआ आत्मविश्वास जागता ही नहीं था। वह तीन साल इंग्लैंड में रहे। वहाँ रहने वाले भारतीय डॉ. प्राणजीवन मेहता, दलपतराम शुक्ल, प्रिंस रणजीत सिंह और दादाभाई नौरोजी से भी वह कभी खुलकर बातचीत नहीं कर सके। सर एडविन आर्नाल्ड, डॉ. ओल्डफील्ड जैसे कई अंग्रेज लोगों से उनका परिचय जरूर हुआ था, किन्तु किसी के साथ वह वार्तालाप में अंतरंगता नहीं स्थापित कर सके थे।

विलायत में मांसाहार से बचने के सन्दर्भ में जैसी दृढ़ता उन्होंने दिखाई, वह अपूर्व है। इसके सामने उनकी आत्मविश्वासहीनता एक विरोधाभाष ही कहा जाएगा। सन 1891 में वह बैरिस्टर बन गए। ढाई शिलिंग शुल्क देकर इंग्लैंड के हाईकोर्ट में अपना नाम दर्ज कराया और हिन्दुस्तान चले आए। यहाँ बम्बई में उनको पहला मुकदमा ममीबाई का मिला। इसमें जिरह के लिए छोटी अदालत में जाना था। इस सम्बन्ध में वह अपनी आत्मकथा में लिखते हैं- मैं पहली बार स्मॉल कॉज कोर्ट में प्रवेश किया...मैं खड़ा तो हुआ, पर पैर कांपने लगे। सिर चकराने लगा। मुझे लगा, मानो अदालत घूम रही है। सवाल कुछ सूझते ही न थे। जज हंसा होगा। वकीलों को मजा आया होगा। पर मेरी आँखों के सामने तो अंधेरा था, मैं देखता क्या?'

बम्बई छोड़कर वह राजकोट आ गए, किन्तु यहाँ भी किस्मत में धक्के खाना लिखा था। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका की मेनन फर्म' से उनके भाई के पास एक आफ़र आया, जिसमें मार्ग व्यय, रहने और भोजन खर्च के बाद 105 पौंड देने की बात थी। भाई ने उनसे बताया तो बिना किसी झिक-झिक के उन्होंने सेठ अब्दुल करीम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। सन 1893 में वह उमंगों से भरे दक्षिण अफ्रीका के लिए जलयान पर सवार हो गए। यहाँ भी सफलता चांदी की तश्तरी में सजाकर रखी नहीं मिली। सबसे खराब बात तो यह थी कि दक्षिण अफ्रीका में वह कुली बैरिस्टर कहे गये। उन्हें कदम-कदम पर कड़ा संघर्ष करना पड़ा। मगर वह सफलता का कीर्तिमान रचते चले गए। नेटाल के सेठ अब्दुल्ला का अपने ही रिश्तेदार प्रिटोरिया के सेठ तैयब हाजी खानमहम्मद का चालीस हजार पौंड का तनाजा था। दोनों ही सेठ अपने-अपने क्षेत्र में अच्छे रसूख वाले थे। नेटाल से प्रिटोरिया पहुँचकर गांधीजी ने सेठ तैयब हाजी से जान-पहचान बना लिया। गांधीजी ने दोनों सेठों के बीच सम्मान और सुविधायुक्त समझौता करा दिया। इससे दोनों सेठों में ही नहीं, पूरे प्रवासी हिन्दुस्तानी समाज में उनकी साख स्थापित हो गई। प्रवासी लोगों ने उनको अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए दक्षिण अफ्रीका में रोक लिया।

वह वहीं रहकर वकालत और समाज सेवा के काम में लग गए। सन 1896 में वह पत्नी और बच्चों को लेने हिंदुस्तान आए थे। बाद में 1901 में इंडियन नेशनल काँग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन अफ्रीकी काँग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में आए थे। उस समय गोखलेजी ने गांधी को भारत आकर यहाँ कांग्रेस के लिए काम करने का आग्रह किया था। किन्तु तब वह अफ्रीका की अधूरी लड़ाई छोड़कर आने के लिए तैयार नहीं थे। गांधीजी अफ्रीका लौट गए थे और लम्बी लड़ाई के बाद प्रवासियों के हक में गिरमिटिया टैक्स' जैसी असमानताओं को खत्म करा के सन 1914 में भारत लौटे। कहा जाता है, चौबीस साल के गांधी एक बैरिस्टर के रूप में अफ्रीका गए थे और पैंतालीस साल की उम्र में महात्मा बनकर हिन्दुस्तान लौटे। मूलतः दक्षिण अफ्रीका गांधीजी की प्राथमिक शाला थी, यहीं उनके सर्वांगीण विकास की दागबेल पड़ी।

पद्मश्री गिरिराज किशोर के उपन्यास पहला गिरमिटिया' में बाला सुन्दरम का एक प्रकरण आया है । इसमें एम. के. गांधी चाहते तो मिस्टर ब्राउन को सजा हो जाती। किन्तु जो न्याय हुआ, उससे बाला सुन्दरम को फायदा तो मिला। मगर ब्राउन को सजा न मिली । इस पर लोगों के आक्रोश भरे सवाल पर गांधी का गौर तालाब जवाब...हमारे हजारों भाई गोरों के यहाँ काम करते हैं, मि. ब्राउन को सजा दिलाना आसान था, पर उन सब को गोरों के कहर से बचाना मुश्किल हो जाता...। यही वह विंदु है, जहां कुली बैरिस्टर एम. के. गांधी में हम उस महात्मा के भ्रूण को देख सकते हैं, जिसके भविष्य के हर कृत्य को समाज के सबसे कमजोर आदमी की सुविधा से प्रेरित होना था। भारत आकर गांधीजी काँग्रेस से जुड़ गए थे। सन 1917 के चम्पारण आन्दोलन के बाद तो काँग्रेस और गांधीजी एक दूसरे के पर्याय हो गए थे। वह लोक जागरण के ऋषि के रूप में उभरे। लोक एक व्यापक अर्थधर्मी शब्द है। लोक की अपनी संस्कृति, रीति और सोच होती है। परम्परा, बोली, मान्यताएं और प्रथायें होती हैं। इनको जानने-समझने और सिद्ध करने वाला महामना ही लोकऋषि हो सकता है। गांधी जी अगर लोक की विरासत को न पहचानते तो पाखंड, जातीय विद्वेष, अशिक्षा, अस्पृश्यता, रूढ़िग्रस्तता और अंधविश्वास के घटाटोप से घिरे सामंती सोच वाले जड़ समाज को अपने नेतृत्व से स्फूर्तिमान और गतिशील कैसे बना पाते?

आजादी की पूरी लड़ाई में गांधीजी वह सक्रिय चेतना थे, जिनकी हर साँस में परम्परा, संस्कृति और लोक जीवन ध्वनित होता था। उन्होंने लोक की चिंता की तो लोक ने उन्हें समादृत करने में कोई कसर नहीं रखी। गांधी और उनके स्वराजी साथियों को लेकर इतने सोहर, बन्नागीत, उठान, गारी, उलारा, झूमर, फाग वगैरह लोक ने रचे हैं कि इसे एकत्र किया जाय तो स्वराजी लोकगीत' की एक मोटी जिल्द बन सकती है। गांधीजी का भाषा चिन्तन बड़ा पारदर्शी था, वह भाषा को सिर्फ अभिव्यक्ति के साधन तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि इसे समाज की आशा और विश्वास के रूप में देखते थे। अपने भाषा सम्बन्धी मान्यताओं में वह बार-बार यह संकेत देते हैं कि भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषाई संघर्ष का अर्थ है, समाज और संस्कृति का टूटना! वह गुजराती भाषा भाषी थे, लेकिन हिन्दी के प्रबल पक्षधर थे। क्योंकि देश में हिन्दी के व्यापक जानाधार और संस्कृति के बृहत्तर आयामों तक उसकी पकड़ का आकलन उन्हें था। हिन्दी उनके राष्ट्र निर्माण के सपने से सम्बद्ध थी। इसलिए हिन्दी के प्रचार-प्रसार को स्वतंत्रता संग्राम का एक अस्त्र बनाया और अपने रचनात्मक कार्यक्रम में खादी के साथ हिन्दी को भी प्रतिष्ठा दी।

गांधीजी विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, समाजसेवी और पत्रकार थे। समाजशास्त्र, राज-नीतिशास्त्र, पत्रकारिता और न्यायशास्त्र उनके स्वाभाविक चिन्तन के विषय हो सकते थे। किन्तु धर्म, संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत, पर्यावरण, इतिहास, विज्ञान, अर्थशास्त्र और शिक्षा जैसे विषयों पर उनकी सोच इतनी तथ्यात्मक है कि समझ में नहीं आता, आखिर एक गांधी में कितने गांधी समाहित थे। शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी शिक्षा' और समग्र जीवन शिक्षा' जैसे दो सूत्र उन्होंने दिये हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं। हो सकता है, महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने इसी आधार पर उनके विषय में कहा हो कि भावी पीढ़ियाँ मुश्किल से यह विश्वास कर पायेंगी कि धरती पर हाड़-मांस का बना ऐसा कोई प्राणी कभी पैदा हुआ था।'

उन्नीसवीं सदी प्रतिभाओं के विस्फोट का युग था। बड़े-बड़े धुरंधर वैज्ञानिक, दार्शनिक, राजनेता इस कालखण्ड में पैदा हुए। किन्तु शायद ही किसी व्यक्ति पर इतनी अधिक कविताएं लिखी हों। हिन्दी में मैथली शरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर', माखनलाल चतुर्वेदी, सुमित्रानंदन पंत, सोहनलाल द्विवेदी, त्रिलोचन शास्त्री, नागार्जुन, ठाकुरप्रसाद सिंह, गयाप्रसाद शुक्ल सनेही', श्रीनारायण चतुर्वेदी, शम्भूनाथ सिंह जैसे मुख्यधारा के दिग्गज कवियों ने गांधी के लिए काव्यांजलियाँ अर्पित की हैं। गांधी पर पर दर्जनों वृत्तचित्र फिल्माएँ गए है। चरित्र प्रधान और विचारपरक फिल्में बनी हैं। कई फिल्मों में गांधीगीरी की आकर्षक ध्वनियाँ हैं । ढेर सारी किताबें लिखी गईं हैं। मेरा आकलन है कि विश्व में शायद ही किसी को भी साहित्य, कला और सेल्यूलाइड पर इतना स्पेस मिला होगा।

विद्यानिवास मिश्र का एक ललित निबन्ध है-'गांधी का करुण रस'! इसमें गांधी को समग्रता के स्तर पर देखने के क्रम में मिश्रजी ने कहा है-'हमारे देश ने या तो उन्हें महिमा के आलोक में छिपा रखा है या फिर उनको प्रतिगामी, सर्वहारा का शत्रु, पूंजीवाद का हथियार आदि एक से एक लफ्फाजी और विशेषणों से घेर रखा है। गांधी दोनों नहीं थे, वे नर के भीतर नारायण की बेसम्भाल व्यथा थे।' सच में यही गांधी का असली मूल्यांकन है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टीम इंडिया की जीत पर साउथ सुपरस्टार्स का जश्न, चिरंजीवी से मोहनलाल तक ने कहा- ये गर्व का पल है

मुंबई/एजेन्सी

भारत ने एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर नौवीं बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत से पूरे देश में उत्सव का माहौल छा गया। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक, हर जगह तिरंगा लहराता दिखा। ऐसे में साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज सितारे भी इस जश्न का हिस्सा बने। मलयालम सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता मोहनलाल ने इस यादगार जीत पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, ''पाकिस्तान के खिलाफ यह जीत पूरी तरह से शानदार रही। भारतीय टीम ने अपने अदम्य साहस से सबको हैरान कर दिया। यह जीत टीम इंडिया के जज्बे का प्रतीक है। बधाई हो, टीम इंडिया।''

वहीं साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी ने ये मुकाबला खुद स्टेडियम में बैठकर लाइव देखा। मैच के बाद उन्होंने स्टेडियम से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, भारतीय क्रिकेट इतिहास का एक और सुनहरा सफर। एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान पर क्या शानदार जीत हासिल की। भारतीय टीम ने जुझारूपन, उत्कृष्टता और संयम का परिचय दिया। तिलक वर्मा को उनकी शानदार पारी के लिए बधाई। हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण।

तीसरे सुपरस्टार ममूटी ने भी अपने पोस्ट के जरिए टीम इंडिया को बधाई दी और कहा कि उन्होंने न सिर्फ एशिया कप जीता है, बल्कि पूरे टूर्नामेंट पर दबदबा बनाते हुए अपना परचम लहराया है। उन्होंने आगे लिखा, बिना एक भी हार के... चैंपियन हो आप। सचमुच शानदार है जीत।'' टीम इंडिया की यह जीत जहां मैदान पर खिलाड़ियों के पसीने और मेहनत की गवाही देती है, वहीं मैदान के बाहर हो रहे सेलिब्रेशन में यह साफ दिखता है कि क्रिकेट कैसे पूरे देश को एक सूत्र में पिरो देता है। बता दें कि एशिया कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम 9वीं बार एशिया कप चैंपियन बनी है। इस जीत के हीरो बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने 53 गेंद पर नाबाद 69 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

नेपाल की अंतरिम सरकार समय पर चुनाव कराने को प्रतिबद्ध : कार्की

काठमांडू/भाषा। नेपाल की नवनियुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने सोमवार को कहा कि उनकी अंतरिम सरकार निर्धारित समय पर आम चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्की(73) ने 12 सितंबर को देश की बागडोर संभाली थी। इसी के साथ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के पद से इस्तीफा देने के बाद कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता का दौर समाप्त हो गया था। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के मुद्दे पर युवाओं के नेतृत्व वाले 'जेन जेड'(1997 से 2012 के बीच जन्मे) समूह ने ओली की सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन किया था।

'हिमालयन टाइम्स' अखबार के मुताबिक 'बड़ा दशईं' के अवसर पर एक संदेश में कार्की ने सोमवार को आश्वासन दिया कि प्रतिनिधि सभा के चुनाव समय पर होंगे।

बड़ा दशईं को 'विजयादशमी' के नाम से भी जाना जाता है। यह नेपाल में सबसे व्यापक रूप से मनाए जाने वाले हिंदू त्योहारों में से एक है।

इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने देश-विदेश में रहने वाले सभी नेपाली भाइयों और बहनों के लिए शांति, खुशी और समृद्धि की कामना की।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अपने संदेश में निर्धारित तिथि पर चुनाव कराने की अपील की।

पौडेल ने नागरिकों से शांति बनाए रखने तथा सरकार और संसद दोनों की निरंतरता का समर्थन करने का आह्वान किया।

क्या जनरेटिव एआई भविष्य में घाटे का सौदा साबित हो सकता है या बहुत ही कमाल की चीज बन जाए?

मॉन्ट्रियल। आज के जमाने में दुधारू गाय बन चुकी जेनरेटिव कृत्रिम मेधा (एआई) से अधिकाधिक लाभ कमाने की अंधी दौड़ में शायद ही किसी को यह फुर्सत हो कि वह इसके संभावित भावी पहलुओं के बारे में विचार करे। इन पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए कि यदि यह आपके सहकर्मियों के स्थान पर यदि बेहतर ढंग से काम नहीं कर पाये, कंपनियां एआई का ढंग से इस्तेमाल नहीं कर पायें या अधिकतर एआई स्टार्टअप विफल हो जाए, तो क्या होगा?

मौजूदा अनुमान बताते हैं कि बड़ी एआई कंपनियों को 800 अरब अमेरिकी डॉलर के राजस्व घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

फिलहाल जनरेटिव एआई से होने वाला मुनाफा बेहद कम है और इससे मुख्यत: सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर, लेखक, अनुवादक एवं संपादक ही पैसे कमा पा रहे हैं। जनरेटिव एआई कुछ अच्छे और उपयोगी काम करता है, लेकिन यह अभी तक नई अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाला इंजन नहीं बन पायी है। इसका भविष्य धूमिल नहीं है, लेकिन जैसा कि अभी प्रचारित किया जा रहा है, यह उससे काफी अलग है। जेनरेटिव एआई का भविष्य एआई कंपनियों द्वारा प्रचारित विमर्श में उपयुक्त नहीं बैठ रहा। भविष्य में होने वाले भारी लाभ का वादा कर निवेश के नये दौर को प्रोत्साहन मिल रहा है।

मुमकिन है कि जेनरेटिव एआई घाटे का सौदा साबित हो और यह भी संभव है कि कुछ मायने में यह बुरा भी नहीं हो। जेनरेटिव एआई एक तरह की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणाली है, जो मौजूदा जानकारी के विशाल डेटासेट से सीखकर नई, मौलिक सामग्री तैयार करने में सक्षम है, जिसमें टेक्स्ट से लेकर चित्र, संगीत, ऑडियो, वीडियो और कोड तक शामिल है। 'चैटजीपीटी' और 'जेमिनी' जैसी सस्ते शुल्क वाली या मुफ्त जनरेटिव एआई सेवाओं के संचालन पर अच्छी-खासी लागत आती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि एआई कंपनियां इनसे पैसा कैसे कमाएंगी। 'ओपन एआई' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन अपनी कंपनी की ओर से खर्च की जाने वाली राशि के बारे में खुलकर बात करते रहे हैं। उन्होंने एक बार मजाक में कहा था कि 'चैटजीपीटी' किसी चैट में जब भी 'कृपया' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द कहता है, तो कंपनी पर लाखों का खर्च आता है।

'ओपनएआई' को हर चैट पर प्रतिक्रिया देने में कितनी राशि खर्च करनी पड़ती है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन ऑल्टमैन ने कहा था कि हर सवाल के साथ आने वाली उच्च कंप्यूटिंग लागत के कारण 'पेड प्रो अकाउंट' पर भी नुकसान झेलना पड़ता है।

'पेड प्रो अकाउंट' से आशय ऐसे अकाउंट से है, जिसमें उन्नत फीचर एवं सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए शुल्क का भुगतान करने की जरूरत होती है। कई स्टार्टअप की तरह जनरेटिव एआई कंपनियां ने भी कमाई के लिए पारंपरिक रणनीति अपनाई है : पैसे खर्च कर उपयोगकर्ताओं को ऐसे उत्पाद की सेवाएं लेने के लिए आकर्षित करना, जिसे वे हर हाल में इस्तेमाल करना चाहते हैं।

'स्पाइडर-मैन' शृंखला की फिल्में भारतीय सिनेमाघरों में पुनः रिलीज होंगी

नयी दिल्ली/एजेन्सी

सोनी पिक्चर्स ने सोमवार को घोषणा की कि वे नवंबर और दिसंबर के महीनों में भारत के सिनेमाघरों में सभी स्पाइडर-मैन फिल्मों को फिर से रिलीज करेंगे। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंडिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्मों के कोलाज और प्रत्येक फिल्म की तारीखों के साथ यह खबर साझा की। कैप्शन में लिखा था, पुरानी यादों में वापस लौटें, सभी 'स्पाइडर-मैन' फिल्में नवंबर और दिसंबर में भारत के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही हैं। स्पाइडर-मैन (2002), स्पाइडर-मैन 2 (2004) और स्पाइडर-मैन 3 (2007) 14 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। इसके बाद 21 नवंबर को द अमेजिंग स्पाइडर-मैन (2012) और द अमेजिंग स्पाइडर-मैन 2 (2014) फिर से रिलीज होगी। फिल्में स्पाइडर-मैन: होमकमिंग (2017), स्पाइडर-मैन: फार फ्रॉम होम (2019) और स्पाइडर-मैन: नो वे होम (2021) 28 नवंबर को फिर से रिलीज होंगी। स्पाइडर-वर्स: द एनिमेटेड मल्टीवर्स 5 दिसंबर को फिर से रिलीज होगी। सोनी पिक्चर्स के महाप्रबंधक और प्रमुख शोनी पंजीकरण ने कहा कि स्पाइडर-मैन दुनिया के सबसे स्थायी और प्रेरणादायक पात्रों में से एक है। उन्होंने एक बयान में कहा, स्पाइडर-मैन की सभी फिल्मों को भारतीय सिनेमाघरों में वापस लाना उन प्रशंसकों का सम्मान करने का एक तरीका है जिन्होंने दशकों से इस पात्र को प्यार किया है।

अंग्रेजों ने नहीं, भारतीय सैनिकों ने हमें ओटोमन से आजाद कराया: हाइफा शहर के मेयर

हाइफा/भाषा। इजराइल के शहर हाइफा ने सोमवार को शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मेयर ने कहा कि शहर के स्कूलों की इतिहास की किताबों में यह सुधार किया जा रहा है कि शहर को ओटोमन शासन से आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय सैनिक थे। हाइफा के मेयर योना याहव ने कहा, ''मैं इसी शहर में पैदा हुआ और यहीं से स्नातक किया। हमें लगातार यही बताया जाता था कि इस शहर को अंग्रेजों ने आजाद कराया था, जब तक कि एक दिन हिस्टोरिकल सोसाइटी के किसी व्यक्ति ने मेरे दरवाजे पर दस्तक नहीं दी और कहा कि उन्होंने गहन शोध किया है और पाया है कि अंग्रेज़ों ने नहीं, बल्कि भारतीयों ने इस शहर को (ओटोमन शासन से) आजाद कराया था।'' उन्होंने यह टिप्पणी शहीद सैनिकों के भारतीय कब्रिस्तान में उनकी बहादुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए की। याहाव ने कहा, ''हर स्कूल में, हम किताबों में बदलाव कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय थे।''

हुमा कुरैशी अभिनीत 'सिंगल सलमा' 31 अक्टूबर को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी अभिनीत फिल्म 'सिंगल सलमा' बड़े पर्दे पर 31 अक्टूबर को रिलीज होगी। निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'कॉमेडी कपल' और 'गच्ची' जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए अपनी पहचान बनाने वाले नचिकेत सामंत ने इस फिल्म को निर्देशित किया है तथा इसमें सनी सिंह और श्रेयस तलपड़े भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कुरैशी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर फिल्म के एक पोस्टर के साथ यह घोषणा साझा करते हुए लिखा, ''लखनऊ और लंदन - दो शहर, दो लड़के और एक सवाल - आखिर कौन बनेगा 'सिंगल सलमा' का बलमा, किस्से होगी सलमा की शादी। ट्रेलर कल आएगा। फिल्म रिलीज 31 अक्टूबर को होगी।''

मुदस्सर अजीज, अमीना खान और रवि कुमार द्वारा लिखी गई यह कहानी एक महिला सलमा (कुरैशी द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में सलमा अपने परिवार का सहारा बनने के लिए जिंदगी भर काम करती है; हालांकि उसकी पहचान अब भी एकल है क्योंकि वह अविवाहित है और स्थिर नहीं है। यह फिल्म 'वायकॉम18 स्टूडियोज' द्वारा 'एलेमेन3 एंटरटेनमेंट' के सहयोग से प्रस्तुत की जा रही है। हाल में 19 सितंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में कुरैशी ने अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेता अरशद वारसी के साथ अभिनय किया है तथा फिल्म का निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है।

ऑस्कर के लिए भेजी गई फिल्म 'होमबाउंड' की बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक शुरुआत

मुंबई/एजेन्सी

भारत की आधिकारिक ऑस्कर प्रविष्टि 'होमबाउंड' शुक्रवार 26 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज़ हो गई। जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा स्टारर इस फिल्म का पहला दिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुका है। ऑस्कर रेस में भारत की 24 फिल्मों पर विचार किया गया था। इस सूची में अभिषेक बच्चन की 'आई वांट टू टॉक', 'पुष्पा 2', 'द बंगाल फाइल्स', 'जुगनुमा' और 'फुले' जैसी फिल्में शामिल थीं। इन सभी में से 'होमबाउंड' को चुना गया। नीरज घायवान के निर्देशन में बनी 'होमबाउंड' ने रिलीज़ के पहले दिन देशभर में आधे करोड़ रुपये से भी कम की कमाई की। यह फिल्म भारत की ओर से ऑस्कर के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर श्रेणी में आधिकारिक प्रविष्टि है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'होमबाउंड' ने भारत में पहले दिन लगभग 30 लाख रुपये का कारोबार किया है। फिल्म का ओपनिंग कलेक्शन ईशान खट्टर की 'धड़क' से काफी कम रहा, जिसने पहले दिन 8.71 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, 'फोन भूत' का पहला दिन 2.05 करोड़ रुपये और विशाल जेठवा की 'सलाम वेंकी' का कलेक्शन 45 लाख रुपये रहा था।

यह फिल्म उत्तर भारत के एक छोटे से गांव से जुड़े दो बचपन के दोस्तों की दास्तान बयां करती है। दोनों अपनी जिंदगी सुधारने और समाज में पहचान बनाने के लिए पुलिस की नौकरी पाने का सपना देखते हैं। लंबे संघर्ष और मेहनत के बाद यह नौकरी उन्हें न सिर्फ रोज़गार बल्कि सम्मान और गरिमा भी दिलाती है। अभिनेत्री जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर अभिनीत 'होमबाउंड' का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। इस फिल्म का निर्देशन नीरज घायवान ने किया है।

शेखर कपूर ने पूछा, क्या हम आम लोगों से ज़्यादा आदिवासी हैं ?

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म निर्माता और कहानीकार शेखर कपूर हमेशा से दुनिया को देखने का एक अनोखा नजरिया रखते हैं। हाल ही में एक विचार-विमर्श में, उन्होंने एक दिलचस्प और विचारोत्तेजक सवाल उठाया: वे आदिवासी हैं! वे अलग हैं! वे एक टूरिस्ट अट्रैक्शन का केंद्र हैं! पूरी तरह हमसे अलग... सच में? उनका तर्क है कि हम इंसान मूल रूप से आदिवासी हैं। हम कबीलों में इकट्ठा हो जाते हैं, खासकर जब हम डरे हुए होते हैं... और अपनी आदिवासी वफ़ादारी को अपनी समझ से ज़्यादा बार बदलते हैं। राजनीति भी, उनके अनुसार, एक जनजातीय व्यवहार है:यहां तक कि लोकतंत्र भी जनजातीय व्यवहार है देखिए ना, कैसे डेमोक्रेटिक राइट, डेमोक्रेटिक लेफ्ट और मिडिल के बीच गहरी तनाव को देखिए।

चाहे वह कला हो या कॉर्पोरेट मूल्यांकन, शेखर कपूर मानते हैं कि हमारे मूल्य निर्धारण की प्रणाली भी जनजातीय सोच के पैटर्न से चलती है। हम इसे 'दुर्लभता' (िलरीलळीूं) जैसे नाम देते हैं, लेकिन सच में किसी पेंटिंग की कीमत तभी होती है जब कोई खास 'जनजाति' उसे मूल्यवान मानती है और कंपनियों के तथाकथित मूल्यांकन में अचानक वृद्धि... यह आदिवासी व्यवहार ही है जो ऐसे मूल्यांकनों को जन्म देता है जिनका वास्तव में एक विश्वास प्रणाली के अलावा कोई सच्चा वित्तीय आधार नहीं होता। उनका सुझाव है कि यह व्यवहार हमें रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी दिखता है। जुहू में जब मैं पैदल होता हूँ, तो गाड़ियों को कोसता हूँ एक 'पैदल जनजाति' का सदस्य बनकर लेकिन जब मैं गाड़ी चला रहा होता हूँ, तो पैदल चलने वालों पर हॉर्न बजाता हूँ। देखिए, हम कितनी जल्दी अपनी जनजाति बदल लेते हैं!

शेखर कपूर हमारे मन में एक विचार छोड़ते हैं जो देर तक मन में गूंजता है: यदि हमारी पहचान हर उस समुदाय के साथ बदलती रहती है जिसमें हम शामिल होते हैं, तो शायद उनका सबसे तीखा सवाल भी सबसे सरल है - क्या हम व्यक्ति से अधिक आदिवासी हैं? शेखर कपूर अपने शुरुआती दिनों को याद करते हैं, जब वे लंदन में चार्टर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई कर रहे थे, तब उन्होंने पहली बार वहां के वित्तीय ज़िलों में पुरुषों की समानता को गौर से देखा। उन्होंने लिखा, मैं वित्तीय ज़िलों के पुरुषों को देखकर बहुत प्रभावित हो गया था, जो एक ही तरह से चलते थे, एक जैसे बाउलर हैट और काले सूट पहनते थे अपने 'ब्रॉली' (छाते) को कसकर लपेट कर रखते थे, एक भी किनारा इधर-उधर नहीं। कोई एक-दूसरे को देखता तक नहीं था... और कम्यूटर ट्रेनों में... वे फ़ाइनेंशियल टाइम्स के पन्ने भी ख़ास अंदाज़ में पलटते थे... यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी सिलवट अपनी जगह से हटी न हो...।

कृष्णा श्रॉफ: जनता की छोरी और छोरियां चली गांव की धड़कन

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी टीवी के नवीनतम रियलिटी शो छोरियाँ चली गाँव में अगर कोई एक प्रतियोगी लगातार अपनी प्रतिभा साबित कर रही है, तो वह कृष्णा श्रॉफ हैं। पूरे सीज़न के दौरान कृष्णा ने न सिर्फ़ भाग लिया, बल्कि उन्होंने शो पर राज किया। रिकॉर्ड तोड़ नौ बार छोरी नंबर 1 का खिताब जीतने वाली, वह अब तक की सबसे प्रसिद्ध घर की सदस्य थीं, और उन्होंने किसी भी अन्य प्रतियोगी की तुलना में सबसे ज़्यादा बार यह खिताब जीता। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें बसेरा की अंतिम मालकिन घोषित किया गया, जिससे उनकी यात्रा एक उच्च स्तर पर समाप्त हुई, जिसने उनके नेतृत्व, ताकत और पूरे शो में उनकी मज़बूत उपस्थिति को और भी ज़ोरदार ढंग से दर्शाया।

कृष्णा की यात्रा को और भी प्रेरणादायक बनाता है उसका शुरुआती बिंदु। जब कृष्णा बमुलिया गांव आईं, तो उन्हें ग्रामीण जीवन का कोई अनुभव नहीं था। न कोई पूर्व जानकारी, न कोई मार्गदर्शन। लेकिन शून्य से शुरू करके, उन्होंने जिस तरह पूरे दिल से गांव, उसकी रीति-रिवाजों और उसके लोगों को सहजता और पूरे दिल से अपनाने तक, कृष्णा का परिवर्तन उल्लेखनीय से कम नहीं था। शो के शुरुआती एपिसोड में से एक में, कृष्णा ने एक विशेष रूप से भावुक कर देने वाले टास्क के बाद कहा था कि जो कृष्णा इस शो में आई है, वह जाते समय बिल्कुल अलग होगी। और अपने शब्दों के अनुसार, उसने खुद को पूरी तरह से 'छोरियाँ चली गाँव' (शो) में डुबो दिया और इसके बदले में गांव वालों का भरोसा और स्नेह अर्जित किया। हर मायने में, कृष्णा जनता की छोरी बन गईं शो की असली भावना को जीती हुई। और आँकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। सेट पर मौजूद एक सूत्र के अनुसार, कृष्णा ने उन तीनों गाँवों में वोटों में बढ़त हासिल की जहाँ फाइनलिस्टों ने प्रचार किया था, जिसमें बमुलिया भी शामिल था, वही गाँव जिसे वे शो के दौरान अपना घर कहते थे। उन्होंने न केवल टास्क जीते, बल्कि दिल भी जीते, चाहे वो गांवों में ऑफलाइन हो या इंटरनेट पर मौजूद दर्शकों के बीच। अपनी लगातार शानदार परफॉर्मेंस, भावनात्मक विकास और हर चुनौती को ज़मीन से जुड़े तरीके से स्वीकारने के कारण, कृष्णा श्रॉफ सबसे योग्य फाइनलिस्ट बनकर उभरीं एक ऐसी कंटेस्टेंट जिन्होंने सिर्फ शो में टिके रहने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसमें खुद को ढाल कर, उसे जिया और एक ऐसी विरासत छोड़ी जो दृढ़ता, विनम्रता और जुड़ाव पर आधारित है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

सहज स्मृति योग मार्ग के प्रणेता तथा उरिगम स्थित दर्पण आश्रम के संस्थापक गुरुजी श्री नंदकिशोर ने विश्वविख्यात चितक, टिप्पणीकार एवं पचास से अधिक पुस्तकों के लेखक मकरंद आर. परांजपे की सद्य प्रकाशित कृति 'हिन्दुत्व तथा हिन्द स्वराज' का विमोचन किया।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति में सजा मां दुर्गा का अलौकिक दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवासी बिहारियों की सबसे पुरानी संस्था सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्सवावधान में 47वां दशहरा महोत्सव प्रिंसेस श्राइन सभागार में चल रहा है। सप्तमी को सुबह बनारस से आए आचार्य नित्यानंद शास्त्री, आचार्य अखिलेश द्विवेदी एवं आचार्य हेमंत गौतम ने समिति के पूजा अध्यक्ष मुकेश कर्ण एवं उनकी पत्नी से प्रतिमाओं का प्रतिष्ठा विधान सम्पन्न कराया। तत्पश्चात मां भगवती, भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय की आरती की गई।

इस अवसर पर समिति सचिव सुबोध सिंह, उपाध्यक्ष अमित सिंह, पूर्व सचिव जेपी सिंह, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे, अरविंद शर्मा, रामकंवल सिंह, राहुलकुमार पुरी, एसपी सिंह, धर्मेश केनेडी, दसई साब, सतीश श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, आशुतोष कुमार, नीरज मिश्रा, मुकुल भारद्वाज, शंभू सिंह, अंजना दुबे, शांता सिंह, देवंतीदेवी, सुचिता शर्मा, जसबीर सिंह आदि भक्तों ने मां भगवती पूजा में श्रद्धापूर्वक भाग लिया। अष्टमी एवं नवमी पूजन को सायं आरती पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। समिति अध्यक्ष केके सिंह(कुमार बाबू) ने सभी मां भक्तों को नवरात्रि महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया है।

गुरुजी नंदकिशोर ने किया 'हिंदुत्व और हिन्द स्वराज' पुस्तक का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सहज स्मृति योग मार्ग के प्रणेता तथा उरिगम स्थित दर्पण आश्रम के संस्थापक गुरुजी श्री नंदकिशोर ने विश्वविख्यात चिंतक, टिप्पणीकार एवं पचास से अधिक पुस्तकों के लेखक मकरंद आर. परांजपे की सद्य प्रकाशित कृति 'हिन्दुत्व तथा हिन्द स्वराज' का विमोचन किया।

यह समारोह दो चरणों में संपन्न हुआ। पहले चरण में मीनाक्षी रेजीडेंसी सभागार में गुरुजी के जन्म दिवस पर विशेष रूप से आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक विमोचन के उपरांत अपने उद्गार व्यक्त करते हुए गुरुजी श्री नंदकिशोर ने कहा कि मकरंद परांजपे की अंग्रेजी भाषा में लिखी यह पुस्तक महात्मा गाँधी और वीर सावरकर के विचारों में एकत्व दर्शाने वाले तथा विरोधी दिखने वाले, दोनों ही बिंदुओं पर नवीन दृष्टि से प्रकाश डालती है। गुरुजी ने कहा कि हरेक राष्ट्रवादी देशप्रेमी व्यक्ति को यह पुस्तक पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की आधार भूत संकल्पनाओं पर जन मानस में जितनी अधिक एकता होगी उतनी ही ज्यादा देश में एकजुटता होगी। इस एकता का बीज सदैव इतिहास से लिया जाता है किंतु उस बीज को बोया और सींचा सदैव वर्तमान में ही जाता है।

इसमें बुद्धिजीवियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और डॉक्टर परांजपे अपनी इस पुस्तक के माध्यम से यह भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आत्म-संवाद शैली में लिखी यह पुस्तक वर्तमान समय में देश में सांस्कृतिक-राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, हिंदू, सनातन-हिंदू इन शब्दों और संकल्पनाओं को लेकर सर्वत्र जो चर्चा हो रही है उसके अनेक बिंदुओं को स्पष्ट करने में समर्थ है। इस पुस्तक के माध्यम से लेखक वर्तमान समय में भारत में इतिहास की पुनर्व्याख्या पर छिड़ी बहस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में अपना योगदान देने को तत्पर दिखते हैं।ङ्कङ्कसमारोह में बड़ी संख्या में सहज स्मृति योग साधक सत्संग हेतु एकत्र हुए, मकरंद परांजपे ने एक साधक के रूप में गुरुजी का

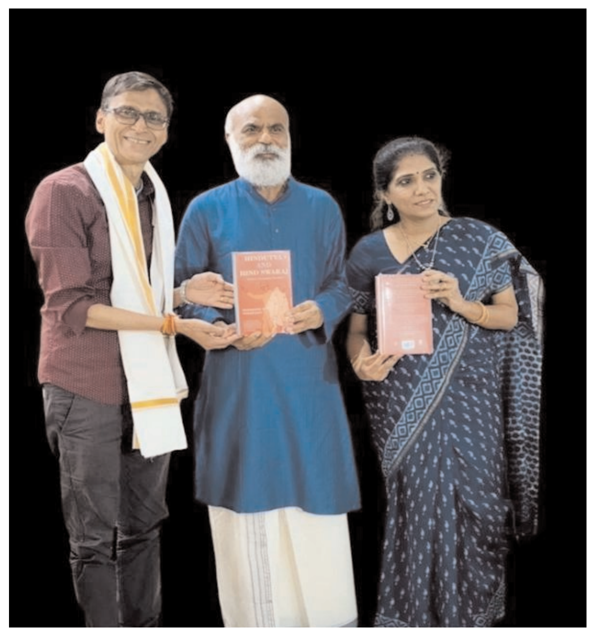

आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके कर-कमलों से अपनी पुस्तक का विमोचन होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। आयोजन के दूसरे चरण में रविवार को डोमलूर स्थित बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय केंद्र सभागार में लेखक के एक व्याख्यान और प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें पेंग्विन रैंडम हाउस इण्डिया से प्रकाशित तीन सौ छिहत्तर पेज की केसरिया रंग में सजी सजिल्द और आकर्षक नवीनतम पुस्तक का परिचय देते हुए डॉक्टर मकरंद परांजपे ने कहा कि उनकी यह पुस्तक विषय वस्तु की समीचीनता के साथ ही अपनी अन्वीक्षकी और इंटरमीडियल हरमेन्यूएटिक्स की दुहरी तकनीक से विषय वस्तु को देखने के लिए प्रेरित करने की दृष्टि से विशेष रूप से पठनीय है। महात्मा गाँधी और विनायक सावरकर दोनों ही हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के उन नायकों में से हैं, जिनकी दृष्टि और स्मृति को भुलाया नहीं जाना चाहिए। क्योंकि दोनों के चिंतन और चरित्र से ही वर्तमान में हमारी दिशा स्पष्ट होती है।

उन्होंने कहा कि इस पुस्तक के आवरण पर अंकित शब्द हाल ही में दिवंगत कन्नड़ के प्रसिद्ध लेखक एवम साहित्यकार एस. एल. भैरप्पा के अंतिम लिखित शब्द हैं। इस अर्थ में यह पुस्तक उनके प्रति दी अनायास सहज श्रद्धांजलि भी बन गई है। समारोह के दूसरे चरण में गुरुजी श्री नंदकिशोर, महात्मा गांधी के पौत्र कृष्ण कुलकर्णी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में मौजूद थे। दोनों ही सत्रों में श्रोताओं को प्रश्नोत्तरी के लिए विशेष समय दिया गया और श्रोताओं ने उसका भरपूर लाभ भी लिया।

सुसवाणी माता की भक्ति संध्या में बही भक्ति की बयार

पैदल यात्रा में शामिल हुए अनेक श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के होसूर रोड़ स्थित पार्श्व सुशील धाम के शंखेश्वर भवन के सुसवाणी माताजी वंदित भक्ति संध्या का आयोजन सुराणा संघ व भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस भक्ति संध्या में सुप्रसिद्ध गायक विपिन पोरवाल ने नमस्कार महामंत्र व गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत कर 'चमचम चमके चुनड़ी, चलो बुलावा आया है..., मैया जो बुलावे म्हाने आवे हिचकी..., कीर्तन की है रात, आवणो पडेला मैय्या.....' जैसे एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी। भक्ति संध्या के अंत में माता को चुंदड़ी अर्पण करने का कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बना। महाआरती में शहर के विभिन्न उपनगरों से आए भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की व्यवस्था में सोहनलाल मुंड़ारा, नरेन्द्र कुमार सोजत सिटी, किशोरकुमार मालुर, धीरज, प्रदीप, दीपक, करण सुराणा व सरगम ग्रुप ने विशेष सहयोग दिया। ङ्भक्ति संध्या से पहले सुबह होसूर रोड़ नारायण हृदयालय से पद यात्रा में जयकारे लगाते हुए अत्तिबेले स्थित सुसवाणी माता धाम तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जहां मंदिर में आरती के पश्चात प्रतिष्ठित पांचों देवियों को चुनड़ी अर्पित की गई। पद यात्रियों का संघ की ओर से स्वागत किया तथा माताजी वंदित हवन अनुष्ठान संपन्न हुए। संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम में भक्ति संध्या के मुख्य प्रायोजक गौतमचंद जतनराज रोहित सुराणा परिवार व पैदल यात्रा के लाभार्थी छित्तरमल रतनलाल सुराणा परिवार का सम्मान संघ चेयरमैन दिलीप सुराणा, अध्यक्ष महीपाल सुराणा, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सुराणा, जयंत सुराणा ने किया। इस आयोजन में चातुर्मास के दौरान अट्ठाई एवं उससे अधिक तपस्या करने वाले सुराणा गौत्र के तपस्वियों के सम्मान के साथ, सहयोगियों व संघ के ऑडिटर अशोक सुराणा का सम्मान किया गया।

मंत्री कृष्णा बैरेगौड़ा ने किए माता के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यलहंका के कट्टगनहल्ली बागलूरु क्षेत्र में चल रहे नवरात्रि महोत्सव के तहत नवदुर्गा पूजा समिति पंडाल में कर्नाटक के राजस्व मंत्री एवं क्षेत्र के विधायक कृष्णा बैरेगौड़ा ने 29 सितम्बर को मातारानी के दर्शन किए। मंत्री गौड़ा ने यहां रेवा कॉलेज के समक्ष स्थित ग्राउन्ड के पंडाल में मातारानी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पंडित डॉ. प्रशांत झा और डॉ. विवेक झा ने विधिविधान से पूजन करवाया। मंत्री का स्वागत समिति के अध्यक्ष कमलेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीपाल सिंह राणा, मंत्री अनिलकुमार, संयोजक बीके सिंह आदि ने किया। आज जगतजननी माता दुर्गा की मूर्ति का नेत्र खोलकर प्रतिष्ठा कराई गई। मंत्री अनिलकुमार ने बताया कि पंडाल में 30 सितम्बर में मातारानी की सुबह गोद भराई का और रात्रि में डांडिया का आयोजन किया जाएगा। 1 अक्टूबर को महाभोग, हवन होगा। 2 अक्टूबर को दोपहर में विजय दशमी मनाते हुए विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी।

दोषों-दुर्गुणों से मुक्त होना ही आध्यात्मिक साधना : आचार्य विमलसागरसूरी

आयंबिल ओली पर्व का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में नवपद ओली पर्व के शुभारंभ के अवसर पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जैनदर्शन में भगवान को तीर्थंकर और अरिहंत कहा जाता है। जो आंतरिक शत्रुओं का नाश करते हैं, वे अरिहंत कहे जाते हैं। तीर्थंकर उनका पर्यायवाची शब्द हैं, जिसका अर्थ है धर्मसंघ की स्थापना करने वाले। जैनदर्शन का मत है कि सर्व दोषों से रहित आत्मा ही भगवान हो सकती है। जहां दोष-दुर्गुण हैं, वहां शुद्ध भागवत स्वरूप का प्रकटीकरण

नहीं हो सकता। राग-द्वेष महादोष हैं। आगमग्रंथों में इन्हें आत्मा का शल्य कहा है। इनको दूर करना ही साधना का ध्येय है। जन्मोंजन्म की कठिनतम साधना के बाद कहीं जाकर राग-द्वेष से पूरी तरह मुक्त होने में सफलता मिलती हैं और आत्मा अरिहंत अथवा सिद्ध बनती हैं। अरिहंत व सिद्ध तत्व की साधना के रहस्यों पर मार्गदर्शन देते हुए उन्होंने कहा कि दोषमुक्त की उपासना ही हमें दोषमुक्त कर सकती हैं। जैनदर्शन की पूजा-आराधना का यही मर्म है। जो दोषों-दुर्गुणों से युक्त हो, वे चाहे गुरु हो या कोई देवी-देवता, हमें पूर्णरूपेण दोषमुक्त नहीं बना सकते। इसलिए अरिहंत की पूजा सबसे भिन्न शुद्ध आत्मतत्व की साधना है। वह निष्काम भावों से युक्त अध्यात्म की शुद्ध आराधना है। मोह, अज्ञान, अभिमान, भय, निद्रा, माया, मैथुन, मिथ्यात्व, लोभ, ईर्ष्या, राग, द्वेष आदि सैकड़ों दोष-दुर्गुण हैं, जिनके तले हम दबे हैं। तीर्थंकर अरिहंत इन सबसे मुक्त होते हैं, इसीलिए वे पूजनीय हैं।ङ्कसंघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि यहां सोमवार को करीब पौने तीन सौ साधकों ने आयंबिल की तपस्या कर नवपद की साधना की। गणि पद्मविमलसागरजी ने सभी साधकों को संकल्प देकर प्रेरणाएं दीं।

नवपद की आराधना जीवन को बदलने वाली साधना है : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि नवपद की आराधना में नवकार मंत्र का स्मरण करते हैं। नवकार मंत्र की आराधना नौ दिनों में की जाती है। जाप में अगर तप मिल जाए तो सोने में सुहागा हो जाता है। ऐसे ही नवकार की महिमा अपार होती है। नवपद की महिमा भव भव में मंगलकारी होती है। यह आगम ज्ञान का भंडारी होता है। मनुष्य इसकी महीना से अनभिज्ञ है। हाथ में हीरा होने के बाद भी मनुष्य अज्ञानता में घूम रहा है। ऐसे नव पद की आराधना होने के बाद भी मानव अपना जीवन बदल नहीं पा रहा है। जब तक अज्ञानता दूर नहीं होगी तब तक मनुष्य भटकता ही रहेगा। कषाय और कर्म ही मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु होते हैं।मनुष्य की वृत्तियां ही शत्रु हैं। जो आत्मा के शत्रु का हनन करते हैं उनको तीनों लोक में

पूजा जाता है। ये अपना है, पराया है, छोटा है, बड़ा है, इन चीजों से ऊपर उठने वाला ही महान होता है। आयंबिल करने से मनुष्य के सभी दुख मिट जाते हैं। जैसे साबुन मनुष्य के शरीर की गंदगी को साफ करता है, वैसे ही आयंबिल तप आत्मा का कल्याण करती है। आयंबिल करने वाला मानव आत्मा को तपा कर कर्मों की निर्जरा कर लेता है। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

जीतो नॉर्थ चैप्टर की तीसरी वार्षिक साधारण सभा में पेश हुईं अनेक रिपोट

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन की तीसरी वार्षिक साधारण सभा उपाध्यक्ष दिनेश कुमार बाफना की अध्यक्षता में कार्यालय में सम्पन्न हुई। बाफना ने नेटवर्किंग और जुड़ाव को और मज़बूत करने की बात कही। महामंत्री विजय सिंघवी ने स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों व जीतो जेवर एक्सपो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उपाध्यक्ष कमल पुनमिया ने सदस्यता विस्तार पर बल दिया। कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। मंत्री अशोक भंडारी, पंकज बालर ने प्रोजेक्ट्स और योजनाओं की जानकारी दी। सहमंत्री प्रीतेश जैन ने हॉस्टल प्रोजेक्ट्स, सहकोषाध्यक्ष किशोर कर्णावत ने खातों की जानकारी दी। इसके अलावा अन्य प्रभारियों ने अपनी अपनी रिपोर्ट पेश की। जीतो अपेक्स के निदेशक नरेंद्र सिंह सामर ने सदस्यों को जीतो कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लेना चाहिए। यूथ विंग अपेक्स निदेशक इंचार्ज प्रवीण शाह ने राष्ट्रीय व जोनल स्तर पर योजनाओं की जानकारी दी। लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने महिलाओं को संगठन से जोड़ने और कार्य करने पर बल दिया। उपाध्यक्ष सुमन जैन, सुमन सिंघवी, महामंत्री रक्षा छाजेड़, रक्षा छाजेड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। जीतो यूथ विंग से महामंत्री आशीष टपरावत ने युवा शक्ति को संगठित कर समाजसेवा व उद्यमिता की ओर बढ़ने पर जोर दिया। उपाध्यक्ष गौरव दलाल, निकिता बडे़रा, कोषाध्यक्ष अक्षय दक, मंत्री दीपेश कटारिया एवं वश मेहता ने अपने विचार व्यक्त साझा किए। वरिष्ठ सदस्य जयचंद बाफना ने जीतो के सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया। अंत में मदन मुनोत ने जेबीएन प्रोजेक्ट्स की जानकारी साझा करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के अरडोरकॉम मीडिया समूह के तत्वावधान में आयोजित अरडोरकॉम डिजिटल भारत एज्यूकेशन कॉन्क्लेव 2025 में बेंगलूरु की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान 'अरिहंत इंस्टिट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट' को वर्ष के 'सबसे प्रमुख बिजनेस स्कूल' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार अरिहंत इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट की ओर से इंस्टिट्यूट की मैनेजिंग टस्ट्री यशस्वी नागोरी ने प्राप्त किया।

शिविर में ज्ञानार्जन के साथ युवतियों ने जाना नैतिक मूल्यों का महत्त्व

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में साध्वी शशिप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित 'डिजाइन योर लाइफ' शिविर संपन्न हुआ जिसमें प्रतिभागी युवतियों को ज्ञानार्जन के साथ योग, स्वास्थ सुरक्षा, भाषा विनय, आवेश पर नियंत्रण, गुड टच, बेड टच के बारे में बताया गया। साध्वी वृद्धिप्रभाजी ने समापन के मौके पर कहा कि शिविर में ज्ञानार्जन के साथ आकर्षक पद्धति से समझाना जरूरी है और बच्चों की रुचि अनुसार ही विषय होने चाहिए। साध्वी ऋद्धिप्रभा जी ने छोटी छोटी रोचक जानकारियां दी। भरत बोहरा ने वर्तमान तकनीक के बारे में विस्तार से समझाया। शिविरार्थियों को संघ की ओर से धनपत राज तातेड ने पुरस्कृत किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अध्यापक वर्ग को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर तेजराज तातेड़, उगमराज मुथा, सुनील कावड़िया, जसवंत मकाना, लोकेश तातेड़, संदीप छाजेड़ सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नर्स की हत्या के बाद पति ने लगाई फांसी

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक नर्स की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या करने के बाद उल्लाल स्थित अपने घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे प्रकाश में आई। रात को पीड़िता के पिता पेरियास्वामी अपने रिश्तेदारों के साथ तुमकुरु से लौटे और उन्होंने सरकारी प्रेस लेआउट स्थित अपने घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया था।

घर के मालिक से अतिरिक्त चाबी प्राप्त करने के बाद वे अंदर गए जहां उनकी बेटी मंजू (27) और उसके पति धर्मसीलन (29) के शव एक ही कमरे में थे। पेरियास्वामी ने मंजू का गला रेतकर हत्या करने के मामले में शिकायत दर्ज करवाई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com